Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

बुधवार | 18 नवम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

# यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्ष: 22 | अंक: 217 पृष्ठ: 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

## तापमान मीटर

| | | |
|---|---|---|
| लखनऊ | 18° | 30° |
| नई दिल्ली | 17° | 29° |
| मुंबई | 28° | 37° |
| कोलकाता | 22° | 32° |
| चेन्नई | 26° | 32° |

## शेयर बाजार

सेंसेक्स 81874.83
निफ्टी 25168.80

## सर्राफा बाजार

सोना 1,32,450.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,85,000.00 रुपए प्रति किलो

## एक नजर

### ट्रम्प हत्या की साजिश रचने वाले पाक नागरिक को 27 साल 6 महीने की जेल

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश रचने के मामले में पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी जांच के मुताबिक, 48 वर्षीय आसिफ ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के लिए काम कर रहा था और उसे ट्रम्प की हत्या की साजिश के तहत अमेरिका भेजा गया था। न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन स्थित फेडरल कोर्ट ने उसे आतंकवादी साजिश और सुपारी देकर हत्या कराने की कोशिश का दोषी ठहराया। जज एरिक आर. कोमिटी ने सजा सुनाई।

### 58 साल से वेलिंगटन में जीत को तरसी टीम इंडिया

**वेलिंगटन।** भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड दौरे के अंतिम चरण में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार रात 3:30 बजे वेलिंगटन में शुरू होगा। इस मैच के जरिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह करीब एक साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे। भारतीय टीम के सामने वेलिंगटन में जीत का सूखा खत्म करने की चुनौती भी होगी।

### सेना ने 2023 के ड्रेस कोड में बदलाव वापस लिया

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना ने वरिष्ठ अधिकारियों की वर्दी में वर्ष 2023 में किए गए बदलावों को वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल अब फिर अपनी पारंपरिक पहचान वाली हैट पहन सकेंगे।

### मुंबई एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की फ्लाइट्स में 9 घंटे की देरी

**मुंबई।** मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार शाम स्पाइसजेट की कई उड़ानों में देरी के चलते सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम 7 बजे के बाद एयरलाइन की कोई फ्लाइट रवाना नहीं हुई, जिसके कारण यात्रियों को करीब नौ घंटे तक एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक

# पीएम मोदी भारत मंडपम पहुंचे, सरकारी योजनाओं और कामकाज की समीक्षा जारी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में शामिल होने के लिए भारत मंडपम पहुंचे। बैठक में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज, प्रमुख योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की जा रही है।

बैठक के दौरान विभिन्न मंत्रालयों की ओर से संचालित योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन और आम जनता तक पहुंचने वाले लाभों पर चर्चा होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी मंत्रियों से योजनाओं की स्थिति और निर्धारित लक्ष्यों को लेकर जानकारी ले रहे हैं।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की इस बैठक को सरकार के कामकाज की समीक्षा और आगामी योजनाओं की रणनीति तैयार करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों को गति देने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हो सकता है।

बैठक में केंद्रीय मंत्री अपने-अपने मंत्रालयों की उपलब्धियों और कार्ययोजनाओं की जानकारी प्रधानमंत्री के समक्ष रखेंगे। सरकार का जोर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विकास कार्यों में तेजी और जनहित से जुड़े मुद्दों पर बेहतर समन्वय बनाने पर रहने की संभावना है।

# दिल्ली के मुंडका में गोदाम में भीषण आग, 1500 वर्ग गज में फैले कबाड़ में लगी लपटें

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



राजधानी दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार सुबह एक गोदाम में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना सुबह 5:12 बजे दमकल विभाग को मिली। घटना मेट्रो पिलर नंबर 578 के पास हुई, जिसके बाद दमकल की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं।

जानकारी के मुताबिक, गोदाम में करीब 1500 वर्ग गज क्षेत्र में कबाड़ रखा हुआ था। इसी कबाड़ में आग लगने के बाद लपटें तेजी से फैलने लगीं। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के इलाके में भी सतर्कता बढ़ा दी गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की नौ गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया और लपटों को आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोकने का प्रयास किया। काफी मात्रा में कबाड़ होने के कारण आग बुझाने में दमकलकर्मियों को चुनौती का सामना करना पड़ा।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना में किसी के हताहत होने या नुकसान की आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार है। दमकल विभाग की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आग पर पूरी तरह काबू पाने का प्रयास कर रही हैं।

# हमारे तो नाम में ही कृष्ण, 21 नवंबर को मथुरा जाएंगे: धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

यूथ इंडिया, प्रतापगढ़



आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अच्छे व्यक्ति हैं और वह उनके विरोधी नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अखिलेश यादव न तो उनकी कथा सुन पाएंगे और न ही कथा करवा पाएंगे।

भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, हमारे तो नाम में ही कृष्ण है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

आचार्य शास्त्री ने बताया कि वह 21 नवंबर को मथुरा जाने वाले हैं। उनके इस कार्यक्रम को भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने अपने बयान के जरिए कृष्ण भक्ति और मथुरा यात्रा को लेकर भी अपनी बात रखी।

गौरतलब है कि अखिलेश यादव और आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयानों को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक चर्चाएं हो रही हैं। प्रतापगढ़ में आचार्य शास्त्री की टिप्पणी के बाद एक बार फिर दोनों के बयानों को लेकर सियासी हलकों में बहस शुरू हो गई है।

# कुलगाम मुठभेड़ में लश्कर कमांडर लतीफ भट ढेर, मस्जिद में छिपा था आतंकी

यूथ इंडिया, जम्मू



जम्मू-कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम में सुरक्षाबलों को आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के वांछित कमांडर लतीफ भट को मुठभेड़ में मार गिराया। बताया जा रहा है कि लतीफ भट कुलगाम हमले से जुड़े मामलों में वांछित था और काफी समय से सुरक्षाबलों की तलाश में था।

जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों को इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान लतीफ भट एक मस्जिद में छिपा हुआ मिला, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी।

मुठभेड़ के दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सुरक्षा अधिकारी आतंकी लतीफ भट से हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करने की अपील करते दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने उसे सरेंडर करने का मौका दिया, लेकिन इसके बावजूद अभियान जारी रहा।

इस कार्रवाई को दक्षिण कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। लतीफ भट के मारे जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियां इलाके में तलाशी अभियान और अन्य संभावित आतंकी संपर्कों की जांच कर रही हैं। घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

### चक्रवात अकवान का खतरा

**भुवनेश्वर।** संभावित चक्रवात अकवान को देखते हुए ओडिशा के खुर्दा जिले में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। चक्रवात के खतरे को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद कर दी गई हैं। प्रशासन ने आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जिलाधिकारी अमृत ऋतुराज ने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बिना पूर्व अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने का निर्देश दिया है। साथ ही छुट्टी पर गए कर्मचारियों को तत्काल अपने कार्यस्थल पर लौटने के आदेश दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर राहत और बचाव कार्यों में उनकी सेवाएं ली जा सकें।

# यूपी कैबिनेट बैठक आज: सेमीकंडक्टर नीति और जेवर एयरपोर्ट के विस्तार समेत 24 प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

यूथ इंडिया, लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में विकास और औद्योगिक निवेश से जुड़े 24 प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में कई महत्वपूर्ण योजनाओं और परियोजनाओं को मंजूरी मिल सकती है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश में विकास कार्यों को गति देना और निवेश के नए अवसर तैयार करना है।

बैठक में सेमीकंडक्टर नीति से जुड़े प्रस्ताव पर विशेष चर्चा हो सकती है। इस नीति के जरिए उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप निर्माण के क्षेत्र में प्रमुख केंद्र बनाने की तैयारी है। इससे प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

इसके अलावा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यानी जेवर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण से जुड़े प्रस्ताव को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। वहीं, वाराणसी के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से संबंधित प्रस्ताव भी बैठक के एजेंडे में शामिल बताया जा रहा है। इन परियोजनाओं के माध्यम से पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूती देने पर जोर रहेगा।

कैबिनेट बैठक में कुल 24 प्रस्तावों पर सहमति बनने की संभावना है। हालांकि, सभी प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय बैठक के बाद ही स्पष्ट होगा।

# सीजेआई के खिलाफ टिप्पणी करना वकील को पड़ा भारी

- सुप्रीम कोर्ट ने थमाया अवमानना नोटिस

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने वाले वकील प्रवीण सिंघल को अवमानना का नोटिस जारी किया है। यह मामला 16 नवंबर को खुली अदालत में की गई टिप्पणी से जुड़ा है, जिसे अदालत ने गंभीरता से लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने वकील प्रवीण सिंघल से इस मामले में जवाब मांगा है। अदालत ने उन्हें 8 जनवरी तक अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। नोटिस जारी होने के बाद अब वकील को अपनी टिप्पणी के संबंध में अदालत के समक्ष पक्ष रखना होगा।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई पर प्रवीण सिंघल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की इस कार्रवाई को न्यायपालिका की गरिमा और अदालत की कार्यवाही के दौरान मर्यादा बनाए रखने से जोड़कर देखा जा रहा है।

अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 जनवरी को होगी, जहां वकील की ओर से दाखिल जवाब और उनके पक्ष को सुना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की आगे की कार्रवाई उनके जवाब और मामले से जुड़े तथ्यों के आधार पर तय होगी।

# राहुल गांधी पर भाजपा का तीखा हमला, गौरव भाटिया बोले- भारत के 'मीर जाफर'

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर भाजपा प्रवक्ताओं ने उन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह विदेशों में भारत की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए उन्हें भारत का 'मीर जाफर' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी मंचों पर भारत के खिलाफ बयान देकर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भाजपा ने उनके बयान को राजनीतिक रूप से गैर-जिम्मेदाराना करार दिया।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर विदेश में इस तरह की टिप्पणी करना भारत की छवि से जुड़ा मामला है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के बयान को लेकर कांग्रेस की राजनीति और उनकी विदेश यात्राओं पर भी निशाना साधा।

इस बयान के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज होने की संभावना है। राहुल गांधी लगातार अर्थव्यवस्था, रोजगार और लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरते रहे हैं, जबकि भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस नेता अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं।

# पुणे के टिम्बर मार्केट में भीषण आग, 50 से 60 दुकानें जलकर खाक, लाखों का नुकसान

यूथ इंडिया, पुणे



महाराष्ट्र के पुणे स्थित टिम्बर मार्केट में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आकर 50 से 60 दुकानें जलकर खाक हो गईं। हादसे में व्यापारियों को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

आग तेजी से फैलने के कारण आसपास की दुकानों और लकड़ी के सामान को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की 27 गाड़ियां और करीब 150 कर्मियों को तैनात किया गया। दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग की टीमों ने आग पर काबू पाया। आग की वजह से बाजार में कई दुकानों का सामान पूरी तरह जल गया, जबकि आसपास के क्षेत्रों में भी धुएं का गुबार फैल गया। घटना के बाद प्रभावित दुकानदारों में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

इस हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। प्रशासन और संबंधित विभाग नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। शुरुआती तौर पर आग से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है।

### सोना-चांदी लगातार छठे दिन सस्ता

**नई दिल्ली।** सोने और चांदी की कीमतों में 18 नवंबर को लगातार छठे कारोबारी दिन गिरावट दर्ज की गई। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोना 2,696 रुपए गिरकर 1.32 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, चांदी की कीमत 4,665 रुपए घटकर 1.85 लाख रुपए प्रति किलो रह गई। पिछले छह कारोबारी दिनों में सोना करीब 10 हजार और चांदी लगभग 21 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। इससे पहले 10 नवंबर को सोना 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.86 लाख रुपए प्रति किलो थी।

# पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रफ्तार का कहर, दो ट्रकों की भीषण भिड़ंत में दो की मौत, एक गंभीर घायल

- दोस्तपुर के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- ट्रक में फंसे चालक को निकालने के लिए पुलिस और एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

यूथ इंडिया, अकबरपुर/सुल्तानपुर



पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। दोस्तपुर के पास दो ट्रकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज गति से गुजर रहे दो ट्रक दोस्तपुर के पास आपस में टकरा गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। दुर्घटना में दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक का चालक वाहन के क्षतिग्रस्त केबिन में बुरी तरह फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस और एसडीआरएफ के जवान दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं।

टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ट्रकों के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। बचाव दल की प्राथमिकता वाहन में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकालना और घायल को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की भी आशंका है।

# आजम खां की अंतरिम जमानत पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, ईडी की याचिका पर कल होगी सुनवाई

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को मिली अंतरिम जमानत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया है। ईडी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसमें आजम खां को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम जमानत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस दौरान अदालत ने टिप्पणी की कि आजम खां को मिली राहत से कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। हालांकि, कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ईडी की याचिका पर अगले दिन यानी कल फिर सुनवाई करने की सहमति जताई।

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आजम खां को अंतरिम जमानत देने का आदेश जारी किया था। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और जमानत के आदेश को चुनौती देते हुए उस पर रोक लगाने की मांग की।

अब सुप्रीम कोर्ट में कल होने वाली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं। इस सुनवाई में ईडी की दलीलों और हाईकोर्ट के फैसले पर आगे विचार किया जाएगा। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर रोक नहीं लगाई है, ऐसे में आजम खां को मिली राहत बरकरार है।

# यूपी में पंचायत चुनाव टालने की तैयारी! योगी सरकार ला सकती है अध्यादेश

- प्रशासकों का कार्यकाल 6 महीने बढ़ाने का प्रस्ताव

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। पंचायत चुनाव निर्धारित समय पर कराने के बजाय उन्हें आगे बढ़ाने की संभावनाओं के बीच प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश पंचायत राज (संशोधन) अध्यादेश-2026 लाने की तैयारी कर रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में अहम प्रस्ताव पर विचार किया जाना है।

बताया जा रहा है कि प्रस्ताव के तहत पंचायत प्रशासकों का कार्यकाल 6 महीने तक बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में पंचायत प्रशासकों का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। ऐसे में सरकार के सामने कार्यकाल समाप्त होने से पहले अगली व्यवस्था तय करने की चुनौती है।

इस संभावित फैसले का सीधा असर प्रदेश की ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों की चुनावी प्रक्रिया पर पड़ सकता है। यदि अध्यादेश को मंजूरी मिलती है तो पंचायत चुनाव की समय-सारिणी प्रभावित हो सकती है।

गौरतलब है कि 14 अक्टूबर 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में तीन महीने के भीतर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। अदालत ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव की तैयारियां तत्काल शुरू करने तथा निर्धारित समयसीमा में प्रक्रिया पूरी करने को कहा था। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया था कि प्रशासकों का कार्यकाल कानून में निर्धारित सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

# यूपी चुनाव से पहले सपा-कांग्रेस में सीटों के बंटवारे की कवायद तेज, कांग्रेस को 54 सीटों का प्रस्ताव!

- सूत्रों का दावा- सपा ने कांग्रेस के सामने रखा सीट शेयरिंग का फॉर्मूला
- 43 सामान्य और 11 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटें देने की पेशकश

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन तथा सीटों के बंटवारे को लेकर एक बार फिर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आई है कि समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को प्रदेश में 54 विधानसभा सीटें देने का प्रस्ताव दिया है।

सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित सीटों में 43 सामान्य और 11 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटें शामिल बताई जा रही हैं। इस प्रस्ताव के तहत राजधानी लखनऊ की कैंट और लखनऊ पूर्व विधानसभा सीटें भी कांग्रेस को दिए जाने की चर्चा है।

राजनीतिक गलियारों में इस प्रस्ताव को सपा-कांग्रेस के बीच संभावित चुनावी तालमेल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि सीटों की संख्या और उनके चयन को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

सूत्रों के अनुसार समाजवादी पार्टी की ओर से कांग्रेस को 54 सीटों का प्रस्ताव दिए जाने की बात सामने आई है। अब निगाहें कांग्रेस के रुख और दोनों दलों के बीच होने वाली आगे की बातचीत पर टिकी हैं।

प्रस्ताव में लखनऊ कैंट और लखनऊ पूर्व विधानसभा सीटों का नाम सामने आने से राजधानी की राजनीति में भी चर्चा तेज हो गई है। इन सीटों को लेकर कांग्रेस की संभावित रणनीति क्या होगी, यह आधिकारिक निर्णय के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा और कांग्रेस का चुनावी तालमेल महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। ऐसे में 54 सीटों के प्रस्ताव की खबर ने राजनीतिक चर्चाओं को गति दे दी है। फिलहाल यह पूरा घटनाक्रम सूत्रों पर आधारित है। दोनों दलों की ओर से सीटों के बंटवारे की आधिकारिक पुष्टि और अंतिम सूची का इंतजार है।

## पत्रकार सुरक्षा को लेकर कानून बनाए सरकार: अजय प्रताप नारायण सिंह

यूथ इंडिया, कुशीनगर



पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह सत्ता और समाज के बीच सेतु का काम करती है। पत्रकार सच्चाई को जनता तक पहुंचाता है, भ्रष्टाचार को उजागर करता है और कमजोर की आवाज बनता है। लेकिन आज यही पत्रकारिता सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। उक्त बातें अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारिता, सुरक्षा और चुनौतियां विषय पर परिचर्चा के दौरान कही।

प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पत्रकारों के सामने सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। खबर लिखने पर धमकी, मारपीट, झूठे मुकदमे और आर्थिक दबाव आम हो गए हैं। छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकार बिना किसी सुरक्षा, बिना वेतन और बिना बीमा के काम कर रहे हैं। यही हालत लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

इसमें पत्रकार संगठनों की भूमिका अहम है। संगठनों को केवल मंच और सम्मान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पत्रकारों के प्रशिक्षण, कानूनी सहायता, बीमा और आर्थिक सुरक्षा के लिए ठोस काम करना चाहिए। एकजुट संगठन ही पत्रकार की ताकत है। सरकार का भी दायित्व है कि वह पत्रकार सुरक्षा कानून को प्रभावी बनाए, पत्रकारों के लिए कल्याण योजना, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन की व्यवस्था करे। पत्रकार को भयमुक्त होकर काम करने का वातावरण मिलना चाहिए।

जनता के प्रति नेताओं, अधिकारियों, अधिवक्ताओं और शिक्षाविदों को भी पहल करनी होगी। नेताओं को पत्रकार को विरोधी नहीं, आईना समझना चाहिए। अधिकारियों को सूचना देने में पारदर्शिता रखनी चाहिए। अधिवक्ताओं को पीड़ित पत्रकारों को निःशुल्क कानूनी मदद देनी चाहिए और शिक्षाविदों को नई पीढ़ी को निष्पक्ष, निर्भीक और मूल्य आधारित पत्रकारिता सिखानी चाहिए। जब पत्रकार सुरक्षित होगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।

# रविन्द्र सिंह यादव 'मुखिया' के निधन से एटा से फर्रुखाबाद तक शोक की लहर

- बड़ी संख्या में पहुंचे राजनीतिक और सामाजिक लोग

यूथ इंडिया, एटा



पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव एवं जिला पंचायत अध्यक्ष एटा जुगेंद्र सिंह यादव के भाई रविन्द्र सिंह यादव उर्फ मुखिया (प्रधान जी) के निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन का समाचार मिलते ही एटा सहित फर्रुखाबाद और आसपास के जनपदों में शोक संवेदनाओं का सिलसिला शुरू हो गया। बड़ी संख्या में फर्रुखाबाद के लोगों ने पहुंचकर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रविन्द्र सिंह यादव के परिवार का फर्रुखाबाद की राजनीति से भी पुराना और गहरा जुड़ाव रहा है। पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव फर्रुखाबाद लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी भी रह चुके हैं। उनके पुत्र डॉ. सुबोध यादव ने भी फर्रुखाबाद की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई है। डॉ. सुबोध यादव जिला पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। इस कारण यादव परिवार का फर्रुखाबाद के राजनीतिक, सामाजिक और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच व्यापक संपर्क रहा है।

यही वजह रही कि रविन्द्र सिंह यादव के निधन की खबर फर्रुखाबाद पहुंचते ही बड़ी संख्या में राजनीतिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक लोगों और शुभचिंतकों ने एटा पहुंचकर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। लोगों ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिया।

राजनीतिक दृष्टि से भी इस परिवार का फर्रुखाबाद और एटा के बीच महत्वपूर्ण संबंध रहा है। रामेश्वर सिंह यादव का फर्रुखाबाद लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में उतरना और डॉ. सुबोध यादव का जिला पंचायत की राजनीति में सक्रिय रहना इस पारिवारिक राजनीतिक जुड़ाव को दर्शाता है।

रविन्द्र सिंह यादव उर्फ मुखिया के निधन को परिवार और उनके परिचितों के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। शोक व्यक्त करने पहुंचे लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

## प्रेम प्रसंग में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या

यूथ इंडिया, तुर्कपट्टी, कुशीनगर

शुक्रवार की रात ग्राम पटहेरवा खास निवासी दो भाइयों के बीच हुए कहासुनी के बाद नाराज बड़े भाई द्वारा छोटे भाई को चाटा मारना बड़े भाई के लिए काल बन गया।छोटे भाई को यह इतना नागवार लगा कि उसने रात में सोते समय बड़े भाई की चाकू घोंपकर हत्या कर दी और पुलिस को गुमराह करने के लिए भाई द्वारा स्वयं ही आत्महत्या करने की सूचना दे दी।लेकिन अंत्यपरीक्षण रिपोर्ट के खुलासे के बाद शनिवार देर रात पुलिस ने मृतक की मां अनीता देवी के तहरीर पर छोटे भाई के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया।

विदित हो कि ग्राम पटहेरवा खास शर्मा टोला निवासी 22 वर्षीय शिब्बू उर्फ कमल शर्मा पुत्र अरविन्द शर्मा की लाश शुक्रवार की रात पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में उसके कमरे से बरामद की थी।घटना के बाद स्वजनों का कहना था कि कमल ने धारदार हथियार से स्वयं ही अपने ऊपर वार करके आत्महत्या कर ली है।पुलिस ने भी यही बताया था कि मृतक की मां ने तहरीर दिया है कि उसके लड़के कमल ने आत्महत्या कर लिया है।लेकिन पुलिस शव को कब्जे में लेते हुये माँ व मृतक के छोटे भाई 20 वर्षीय शिवम को हिरासत में लेकर शव को अंत्यपरीक्षण हेतु भेंज दिया था।

हालांकि पुलिस सहित ग्रामीणों को यह विश्वास नहीं हो रहा था कि कमल अपना ही गला अपने ही हाथों कैसे रेतकर आत्महत्या कर सकता है?शनिवार देर शाम शव के अंत्यपरीक्षण रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने पुनः माँ के तहरीर पर छोटे भाई शिवम के विरुद्ध हत्या की मुकदमा दर्ज कर घटना के पीछे के कारणों की जांच करने लगी।चर्चा के अनुसार घटना की शाम किसी बात को लेकर दोनों भाइयों में कहासुनी व हाथापाई हुई थी।

जिसके दौरान मृतक ने छोटे भाई शिवम को थप्पड़ जड़ दिया था।विवाद के बाद मृतक ने पीआरवी को भी बुलाया था लेकिन पीआरवी द्वारा दोनों को सुबह थाने पर आने को बोला गया। चर्चा है कि इस बात से शिवम इतना नाराज हो गया कि उसने ने सोते समय रात में कमल की चाकू घोंप कर हत्या कर दिया।चर्चा के अनुसार बीएससी पास शिब्बू का गाँव के ही एक स्वजातीय युवती से प्रेम सम्बन्ध चल रहा था।इस मामले को लेकर एक बार पंचायत भी हुई थी।

छोटे भाई को यह रिश्ता नागवार लगता था और वह बड़े भाई को मना करता जो बड़े भाई को बुरा लगता था।इसी बात को लेकर दोनों भाइयों में हाथापाई हुई थी।लोगों का कहना है कि यदि पुलिस शिवम को थाने लेती गई होती तो शिब्बू के साथ घटना नहीं घटती।इस बाबत थानाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि छोटे भाई शिवम शर्मा के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

# उत्तर प्रदेश विधान परिषद को मिला नया प्रमुख सचिव, रामानंद चंद ने संभाला कार्यभार

- मध्य प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त जिला जज रामानंद चंद को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी
- गोरखपुर के बांसगांव से रखते हैं संबंध

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। रामानंद चंद ने विधान परिषद के नए प्रमुख सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके पदभार संभालने के साथ ही विधान परिषद के प्रशासनिक और संस्थागत कामकाज की जिम्मेदारी उनके हाथों में आ गई है।

रामानंद चंद न्यायिक सेवा का लंबा अनुभव रखते हैं। वह मध्य प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त जिला जज हैं। न्यायिक व्यवस्था में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बाद अब उन्हें उत्तर प्रदेश विधान परिषद के प्रमुख सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है।

विधान परिषद के प्रमुख सचिव का पद प्रशासनिक और विधायी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होता है। इस पद पर रहते हुए सदन की कार्यवाही से संबंधित प्रशासनिक व्यवस्थाओं, विधायी प्रक्रियाओं, विभिन्न समितियों के कामकाज और परिषद सचिवालय के समन्वय जैसी जिम्मेदारियां निभाई जाती हैं।

न्यायिक पृष्ठभूमि से आने के कारण रामानंद चंद के अनुभव को विधान परिषद के संस्थागत और प्रक्रियागत कामकाज के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रामानंद चंद मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद के बांसगांव क्षेत्र के निवासी हैं। मध्य प्रदेश में न्यायिक सेवा के दौरान उन्होंने अपनी पेशेवर पहचान बनाई। सेवानिवृत्ति के बाद अब उत्तर प्रदेश विधान परिषद में प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी संभालना उनके प्रशासनिक और सार्वजनिक जीवन का नया अध्याय है।

उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद विधान परिषद सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच नई प्रशासनिक जिम्मेदारी को लेकर चर्चा है। आने वाले समय में उनके न्यायिक अनुभव और प्रशासनिक दक्षता का लाभ परिषद के कामकाज में देखने को मिल सकता है।

# सनसनीखेज वारदात: झाड़ियों में मिला स्कूल वैन चालक दीपक कश्यप का शव, गर्दन पर धारदार हथियार के निशान

- बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराने जानकीपुरम थाने पहुंचे थे दीपक
- दूसरी पत्नी और ससुर समेत तीन लोगों पर हत्या का आरोप

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी में स्कूल वैन चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया। जानकीपुरम थाना क्षेत्र में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे दीपक कश्यप का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। शव की गर्दन पर धारदार हथियार से हमले के निशान बताए जा रहे हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक दीपक कश्यप अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत लेकर जानकीपुरम थाने पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि दीपक को पहले से ही हत्या की धमकियां मिल रही थीं। परिवार ने उनकी दूसरी पत्नी, ससुर समेत तीन लोगों पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है।

परिजनों की ओर से पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उनका कहना है कि दीपक को कई घंटे तक थाने में बैठाए रखा गया। रात करीब 11 बजे थाने से लौटने के बाद से वह लापता हो गए थे। इसके बाद उनकी तलाश की जा रही थी।

बताया जा रहा है कि दीपक का शव लोटस सिटी के पास नहर रोड किनारे झाड़ियों में मिला। गर्दन पर धारदार हथियार के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है।

इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेटी की गुमशुदगी की शिकायत लेकर थाने पहुंचे दीपक आखिर वहां से निकलने के बाद कहां गए? उन्हें कथित तौर पर मिल रही धमकियों की जांच हुई थी या नहीं? और उनकी मौत के पीछे कौन जिम्मेदार है?

फिलहाल मामले में पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट होने की उम्मीद है। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

# आकाशवाणी बिलासपुर के 'भूंईया के बोली' कार्यक्रम में गौरा-गौरी परब पर होगी विशेष वार्ता

यूथ इंडिया, बिलासपुर।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और लोकआस्था को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आकाशवाणी बिलासपुर केंद्र के लोकप्रिय कार्यक्रम 'भूंईया के बोली' में 17 नवंबर मंगलवार को शाम 5.10 बजे गौरा-गौरी परब पर विशेष वार्ता प्रसारित की जाएगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' गौरा-गौरी परब की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और लोकआस्था से जुड़ी विशेषताओं पर सारगर्भित जानकारी साझा करेंगे।

कार्यक्रम का प्रसारण मंगलवार को शाम लगभग 5.10 बजे होने की संभावना है। गौरा-गौरी परब छत्तीसगढ़ की उन जीवंत लोकपरंपराओं में शामिल है, जिनमें केवल पूजा-अर्चना ही नहीं, बल्कि लोकजीवन, पारिवारिक संबंध, कृषि संस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक स्मृतियां भी समाहित हैं। दीपावली के पश्चात मनाया जाने वाला यह पर्व विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में लोकआस्था के अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व के रूप में प्रतिष्ठित है।

इस अवसर पर गौरा-गौरी अर्थात ईसर राजा और गौरा माता के प्रतीकात्मक विवाह की परंपरा निभाई जाती है। गीत, नृत्य, पूजा-विधि, कलश, लोकाचार और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से पूरा वातावरण लोकमंगल की भावना से भर उठता है।

बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों में यह परंपरा आज भी अपनी मौलिकता के साथ जीवित है। सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' स्वयं बचपन से बिलासपुर में गौरा-गौरी परब की इस परंपरा को देखते और अनुभव करते आए हैं। इसी आत्मीय लोकानुभव के कारण उनकी वार्ता में केवल पुस्तकीय जानकारी ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ी लोकजीवन की प्रत्यक्ष अनुभूति और सांस्कृतिक स्मृतियों का भी समावेश रहेगा। वे गौरा-गौरी परब की उन बारीक परंपराओं और लोकमान्यताओं पर भी प्रकाश डालेंगे, जिनसे नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपरिचित होती जा रही है। सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' वर्ष 1986 से पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

उन्होंने दैनिक बिलासपुर टाइम्स, दैनिक श्रमस्वर, दैनिक भास्कर, दैनिक स्वदेश, दैनिक हितवाद और दैनिक छत्तीसगढ़ वाच सहित विभिन्न समाचार संस्थानों में नगर संवाददाता, उप संपादक, वरिष्ठ उप संपादक और कार्यकारी संपादक जैसे दायित्वों का निर्वहन किया है। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ स्टेट ब्यूरो चीफ, एवीके न्यूज सर्विस, नई दिल्ली तथा विश्व केसरी, आज की जनधारा, हमर? संगवारी एवं मूकनायक राष्ट्रीय अखबार से जुड़े हैं। साहित्य के क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता निरंतर बनी हुई है। उनकी चर्चित कृतियों में 'बोलती परछाइयाँ', 'खामोश सरगोशियां', छत्तीसगढ़ महतारी के गोठ ,'अरपा तीर की बेटी', 'जब मैं बना मास्टर जी', 'पत्रकारिता तब और अब' सहित अनेक साहित्यिक एवं लोक-संस्कृति आधारित रचनाएं शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ की लोकभाषा, लोककथा, लोकपरंपरा और सांस्कृतिक विरासत को लेखन के माध्यम से संरक्षित करने के लिए वे निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनकी पत्रकारिता और साहित्यिक-सामाजिक सेवाओं के लिए उन्हें विभिन्न सम्मानों से भी सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें छत्तीसगढ़ साहित्यिक पत्रकारिता रत्न, छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान, उत्कल विलास साहित्य सम्मान सहित अन्य सम्मान उल्लेखनीय हैं।

# परिक्रमा मेले में श्रद्धालुओं को बड़ी राहत, रात 11 बजे तक होंगे रामलला के दर्शन

- 18 से 22 नवंबर तक बढ़ाया गया रात्रिकालीन दर्शन का समय, अक्षय नवमी से शुरू होगी चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा
- 18 से 22 नवंबर तक बढ़ाया गया रात्रिकालीन दर्शन का समय
- अक्षय नवमी से शुरू होगी चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा

यूथ इंडिया, अयोध्या

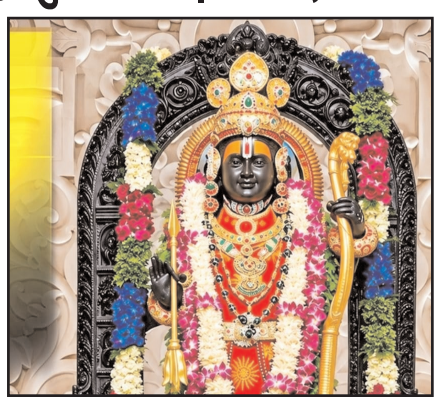

रामनगरी अयोध्या में परिक्रमा मेले को देखते हुए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस धार्मिक आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। परिक्रमा मेले के दौरान रामनगरी में श्रद्धा और भक्ति का विशेष वातावरण रहेगा।

परिक्रमा मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने रात्रिकालीन दर्शन की अवधि एक घंटे बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत 18 से 22 नवंबर तक श्रद्धालु रात 11 बजे तक रामलला के दर्शन कर सकेंगे।

न्यास के इस निर्णय से दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। विशेष रूप से परिक्रमा में शामिल होने वाले भक्तों को दर्शन व्यवस्था में सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

अक्षय नवमी से शुरू होने वाली चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा अयोध्या के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालु निर्धारित मार्गों पर पैदल चलकर धार्मिक अनुष्ठान पूरा करते हैं। इस दौरान रामनगरी के प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

प्रशासन और मंदिर न्यास की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा, दर्शन व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। रामलला के दर्शन का समय बढ़ाए जाने के निर्णय को परिक्रमा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण सुविधा माना जा रहा है।

अब श्रीरामलला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को निर्धारित अवधि से एक घंटे अधिक समय मिलेगा। 18 नवंबर से 22 नवंबर तक रामलला के दर्शन रात्रि 11 बजे तक किए जा सकेंगे।

अक्षय नवमी के अवसर पर अयोध्या में चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ होगा।

# अभिनेत्री मेहर विज पहुंची पूर्णानंद घाट महिला गंगा आरती में

- सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक भागीदारी ही महिला सशक्तिकरण की कुंजी- मेहर विज

यूथ इंडिया, ऋषिकेश



पूर्णानंद घाट जानकी झूला में विश्व प्रसिद्ध प्रथम महिला गंगा आरती में पंहुचे भारतीय अभिनेत्री मेहर विज ने की गंगा आरती व हवन किया। मेहर विज हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई बेहतरीन भूमिकाएं निभाई हैं। हालांकि, साल 2015 में रिलीज हुई सलमान खान की बजरंगी भाईजान से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

बजरंगी भाईजान के बाद अभिनेत्री मेहर विज ने आमिर खान की सीक्रेट सुपरस्टार में भी मां का किरदार निभाया था।

मेहर ने कई अन्य फिल्मों में अपना जलवा बिखेरा है। अभिनेत्री ने लकी नो, टाइम फॉर लव, तुम बिन 2, भूत पार्ट वन द हॉन्टेड शिप और महाराज जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

मेहर ने कहा कि वह महिलाओं को कमजोर भूमिकाओं में नहीं देखना चाहती हैं। और कहा कि जब मुझे पता लगा की पहली बार उत्तराखंड की महिलाएं पूर्णानंद घाट पर मां गंगा की आरती करती हैं तो मैं उनके साथ आरती करना चाहती थी आज मुझे इसका सौभाग्य मिला।

मेहर ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के बिना किसी भी देश के मानव विकास एवं संपुर्ण राष्ट्र निर्माण का सपना पूरा नहीं हो सकता। भारत में लैंगिक समानता का आर्थिक लाभ होगा, भारत एक दशक में विकास की नई ऊंचाई छुएगा। महिला सशक्तीकरण का सपना तभी साकार हो सकता है जब महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में बराबर की सहभागिता मिले। समाज के विकास में मातृ-शक्ति का विशेष योगदान है। महिलाओं को अपनी शक्ति पहचाननी होगी अपने फैसले लेने का हक ना मिलना सबसे बड़ी बाधा है।

प्रस्थान करते हुये प्रसिद्ध अभिनेत्री मेहर ने कहा कि माँ गंगा के तट पर मुझे अप्रतिम आनन्द की प्राप्ति हुई है। यहां की दिव्यता और सकारात्मक ऊर्जा से हृदय में शान्ति एवं आत्मबल का संचार हो रहा है।

डा. ज्योति शर्मा ने कहा कि सरकार एवं समाज के सभी वर्ग को कुत्सित एवं रूढ़िवादी मानसिकता से ऊपर उठ महिला को जन्म से मृत्यु तक सभी स्थानों पर बराबरी का हक़ देना होगा, तभी मानव विकास की यात्रा सही मायने में पूर्ण मानी जाएगी।

# दिल्ली में गूँजा हरियाणा की बेटी का नाम, डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को मिला भिवानी गौरव पुरस्कार-2026

- नारायणी देवी भग्गनका ओजस्विनी सम्मान भी प्रदान किया गया; साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक चिंतन में योगदान को मिली विशिष्ट पहचान

यूथ इंडिया, नई दिल्ली/हिसार



साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक चिंतन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरियाणा की साहित्यकार एवं स्तंभकार डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को भिवानी गौरव पुरस्कारङ्क2026 से सम्मानित किया गया। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित समारोह में उन्हें भिवानी गौरव अवार्ड्स का नारायणी देवी भग्गनका ओजस्विनी सम्मान प्रदान किया गया। रविवार, 15 नवंबर 2026 को दिल्ली के क्राउन प्लाजा होटल, रोहिणी में आयोजित इस समारोह में परम संत हुजूर कंवर साहिब जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। उनके सानिध्य ने आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए अन्य विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास के लिए सांसद एन.डी. गुप्ता, शिक्षा के लिए डॉ. नरेश कौशिक, पत्रकारिता के लिए श्री बलवान शर्मा, साहित्य के लिए डॉ. जोगेंद्र कुमार, खेल के लिए श्री पूनम शर्मा, सेवा के लिए श्री रामदेव तायल, कला एवं संगीत के लिए श्री दिनेश रहन तथा राष्ट्रसेवा के लिए श्री जीताराम गुप्ता (एडवोकेट) शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सेवामूर्ति श्री सूरजमल कागड़िया, श्री कुलदीप राज महाजन और श्री जगन्नाथ सर्राफ के नाम से स्मृति सत्र भी आयोजित किए गए।

राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. डॉ. प्रियंका 'सौरभ' कवयित्री, साहित्यकार, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार एवं सामाजिक चिंतक हैं। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सक्रिय लेखन करते हुए उनके हजारों संपादकीय, लेख एवं विचार-आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। उनके लेखन के प्रमुख विषय महिला सशक्तिकरण, स्त्री-अस्मिता, शिक्षा, ग्रामीण विकास, लोकतांत्रिक मूल्य और समसामयिक सामाजिक सरोकार हैं।

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की 12 व्यक्तिगत तथा दो संपादित पुस्तकें प्रकाशित हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में 'दीमक लगे गुलाब', 'चूल्हे से चाँद तक', 'मौन की मुस्कान', 'खिड़की से झाँकती ज़िंदगी', 'परियों से संवाद', 'बच्चों की दुनिया', 'समय की रेत पर', 'निर्भयें', 'स्नद्गड्डहृद्यद्गह्यह्य' और 'आँचल की चुप्पी' शामिल हैं। हरियाणवी भाषा एवं लोकसाहित्य के संरक्षण के लिए भी वे निरंतर सक्रिय हैं। 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' का संकलन एवं संपादन उनके इस योगदान को रेखांकित करता है।

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की इस उपलब्धि को भिवानी, सिवानी मंडी और हिसार सहित पूरे हरियाणा के साहित्यिक जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

# नेशनल हाईवे-58 पर भीषण सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से बस सवार एक यात्री की मौत, तीन महिलाएं घायल

**● 44 यात्रियों से भरी डबल डेकर बस को ट्रक ने पीछे से मारी जोरदार टक्कर, हरिद्वार से गुजरात जा रही थी बस, दोनों वाहनों के उड़े परखच्चे**

**यूथ इंडिया, मुजफ्फरनगर**



उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में नेशनल हाईवे-58 पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। खतौली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से हरिद्वार से गुजरात जा रही एक निजी डबल डेकर बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बस सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, निजी डबल डेकर बस हरिद्वार से यात्रियों को लेकर गुजरात की ओर जा रही थी। बस में कुल 44 यात्री सवार थे। नेशनल हाईवे-58 पर खतौली थाना क्षेत्र में पहुंचते ही पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुई इस भिड़ंत से बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। टक्कर के कारण दोनों वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा।

दुर्घटना के बाद हाईवे पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बस में सवार यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे में एक यात्री की जान चली गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जानकारी जुटाते हुए हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी में ट्रक के अनियंत्रित होकर बस में पीछे से टकराने की बात सामने आई है।

44 यात्रियों से भरी बस में हुए इस हादसे ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर कर दिया है। हालांकि, दुर्घटना के संबंध में विस्तृत पुलिस जांच और घायलों की स्थिति की आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

# त्योहार बाद यात्रियों की भीड़ से निपटने को रेलवे का बड़ा फैसला, आठ स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

**यूथ इंडिया, गोरखपुर**



दिवाली और छठ पर्व के बाद ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। यात्रियों की सुविधा और त्योहार के बाद घर लौटने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने आठ विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का संचालन 18 से 22 नवंबर के बीच किया जाएगा। इस व्यवस्था से गोरखपुर, छपरा और मऊ समेत आसपास के क्षेत्रों से दिल्ली, मुंबई और उधना जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे ने बताया कि इन आठ विशेष ट्रेनों में दो पहले से संचालित स्पेशल ट्रेनों के एक-एक अतिरिक्त फेरे बढ़ाए गए हैं, जबकि छह नई विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

रेलवे की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन (01041/01042) का एक अतिरिक्त फेरा संचालित होगा। ट्रेन नंबर 01041 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 19 नवंबर को रवाना होगी, जबकि वापसी में ट्रेन नंबर 01042 गोरखपुर से 21 नवंबर को प्रस्थान करेगी।

इसी तरह हडपसर-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन (01457/01458) का भी एक अतिरिक्त फेरा निर्धारित किया गया है। यह ट्रेन नंबर 01457 हडपसर से 20 नवंबर को चलेगी और वापसी में ट्रेन नंबर 01458 गोरखपुर से 22 नवंबर को रवाना होगी। इन अतिरिक्त फेरों से महाराष्ट्र की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सीटें उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा छपरा और दिल्ली के बीच भी विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। छपरा-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल (05057/05058) तथा गोरखपुर-दिल्ली स्पेशल (05051/05052) का संचालन 19 और 20 नवंबर को किया जाएगा। इन ट्रेनों से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को दिल्ली की यात्रा में सुविधा मिलने की उम्मीद है। विशेष ट्रेनों के संचालन से नियमित ट्रेनों पर यात्रियों का दबाव कम करने और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। रेलवे की इस व्यवस्था का लाभ खासतौर पर उन यात्रियों को मिलेगा, जिन्हें त्योहार के बाद कामकाज और अन्य जरूरी कारणों से महानगरों की ओर लौटना है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दिवाली और छठ के बाद बड़ी संख्या में यात्री अपने कार्यस्थलों और दूसरे शहरों की ओर लौट रहे हैं। इसके चलते नियमित ट्रेनों में भारी भीड़ देखने को मिल रही है और कंफर्म टिकट मिलने में भी यात्रियों को परेशानी हो रही है। इसी स्थिति को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने विशेष ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों की अतिरिक्त मांग को पूरा करना, यात्रा को सुविधाजनक बनाना और भीड़ का दबाव कम करना है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय, ठहराव और उपलब्धता की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा से प्राप्त कर लें।

# बोले- सबको स्वीकार करना ही शिवत्व का मूल मंत्रः मोरारी बापू

**यूथ इंडिया, प्रयागराज**

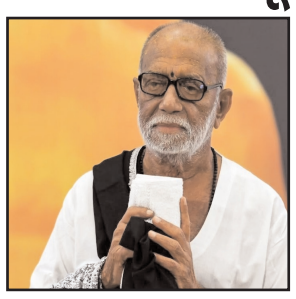

मध्य प्रदेश के उज्जैन में भारत स्वस्तिक यात्रा के तहत आयोजित राम कथा में प्रसिद्ध कथावाचक मोरारी बापू ने शिवत्व और सनातन धर्म को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि सबको स्वीकार करना ही वास्तविक शिवत्व का मूल मंत्र है। उनके अनुसार, भगवान शिव का स्वरूप हमें सभी के प्रति सम्मान और स्वीकार्यता का भाव रखने की प्रेरणा देता है।

मोरारी बापू ने अपने संबोधन में सनातन धर्म और उसकी प्राचीन परंपराओं के सम्मान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपराएं भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनका सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग सनातन धर्म और उसकी परंपराओं का सम्मान नहीं करते, उन्हें मंदिरों और पवित्र तीर्थस्थलों में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। उनके इस बयान ने धार्मिक स्थलों की मर्यादा और परंपराओं के पालन को लेकर चर्चा शुरू कर दी है।

राम कथा के दौरान मोरारी बापू ने आध्यात्मिक मूल्यों, आपसी स्वीकार्यता और धार्मिक परंपराओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संदेश के माध्यम से समाज में सम्मान, सद्भाव और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बनाए रखने की बात कही।

# लखनऊ विश्वविद्यालय की ऑड सेमेस्टर परीक्षाएं 1 दिसंबर से, 19 तक चलेगा एग्जाम

**यूथ इंडिया, लखनऊ**



लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) ने सत्र 2026 की ऑड सेमेस्टर परीक्षाओं का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक परीक्षाएं 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। इसमें आर्ट्स और साइंस संकाय के विभिन्न स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के साथ बीपीएड और एमपीएड के पहले एवं तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं भी शामिल हैं। परीक्षा कार्यक्रम जारी होने के बाद विद्यार्थियों को अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने का अवसर मिल गया है। विश्वविद्यालय ने अलग-अलग विषयों और सेमेस्टर के अनुसार परीक्षा की तिथियां निर्धारित की हैं।

आर्ट्स संकाय के अंतर्गत एमए राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, फ्रेंच और प्राचीन भारतीय इतिहास के पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित होंगी। एमए राजनीति विज्ञान और प्राचीन भारतीय इतिहास के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 15 दिसंबर तक चलेंगी, जबकि तीसरे सेमेस्टर के एग्जाम 3 से 16 दिसंबर के बीच होंगे। वहीं एमए अंग्रेजी और फ्रेंच के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 15 दिसंबर तक निर्धारित की गई हैं। इन दोनों विषयों के तीसरे सेमेस्टर के एग्जाम 1 से 12 दिसंबर तक आयोजित होंगे। इस तरह आर्ट्स के विद्यार्थियों को अपने विषय और सेमेस्टर के अनुसार परीक्षा कार्यक्रम देखकर तैयारी करनी होगी।

साइंस संकाय के विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम भी जारी किया गया है। एमएससी मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 1 से 15 दिसंबर तक होंगी। एमएससी बॉटनी और माइक्रोबायोलॉजी के पहले सेमेस्टर के एग्जाम 2 से 11 दिसंबर तक, जबकि तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 1 से 10 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। इसी प्रकार एमएससी एनवायरमेंटल साइंस के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 11 दिसंबर और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 1 से 10 दिसंबर तक निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग तिथियां तय की हैं, ताकि परीक्षाओं का संचालन निर्धारित समयसीमा में कराया जा सके।

शारीरिक शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया है। बीपीएड के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 से 18 दिसंबर तक और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 19 दिसंबर तक आयोजित होंगी। वहीं एमपीएड के पहले सेमेस्टर के एग्जाम 10 से 18 दिसंबर तक चलेंगे। विश्वविद्यालय के इस परीक्षा कार्यक्रम से संबंधित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को परीक्षा की तिथियों और अपनी तैयारी की योजना बनाने में सुविधा मिलेगी।

# कामदेव भी भगवान श्रीकृष्ण को पराजित नहीं कर सके, क्योंकि वे योगेश्वर हैं : शिवाकान्त जी महाराज

**यूथ इंडिया, कानपुर नगर**





नौबस्ता के पहाड़पुर स्थित श्रीनगर में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा एवं इच्छापूर्ति महायज्ञ में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित शिवाकान्त जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण समस्त इंद्रियों और कामनाओं से परे हैं। उनकी लीलाएं संयम, भक्ति और आत्मिक पवित्रता का संदेश देती हैं।

कथा में कंस वध, गोपी-उद्धव संवाद और श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन हुआ। विवाह उत्सव के दौरान श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे और पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर मुख्य यजमानों ने व्यास पूजन किया, जबकि विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इच्छापूर्ति महायज्ञ में आहुतियां अर्पित कराई।

## नीलामी सूचनाः-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हे कि जनपद के राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद पर छानस एवं जूट बोरा आदि की नीलामी खुली बोली के आधार पर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जनपद स्तरीय कमेटी के समक्ष दिनांक 23.11.2026 को अपरान्ह 1.00 बजे निम्न शर्तों के अधीन की जायेगी। नीलाम किये जाने वाले स्टाक का विवरण निम्नवत है-

| क्र0सं0 | फसल एवं प्रजाति | छानस की मात्रा (कु0मे0) | स्टॉक जाहां उपलब्ध है |
|---|---|---|---|
| 1 | धान पी0आर0-128 | 36.20 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 2 | धान पी0बी0-1692 | 9.37 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 3 | धान पी0आर0-126 | 39.02 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| | धान योग- | 84.59 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 4 | बाजरा पूसा 701 | 1.45 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 5 | उर्द टी0जे0यू0-130 | 0.16 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 6 | सॉवा डी0एच0एम0बी0-93-3 | 0.22 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 7 | रागी-3 | 0.09 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| | 2025 खरीफ समस्त महायोगबाजरा पूसा | 86.59 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 1 | गेहूँ डी0बी0डब्ल्यू-303 | 24.61 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 2 | गेहूँ डी0बी0डब्ल्यू-752 | 17.10 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 3 | गेहूँ डी0बी0डब्ल्यू-327 | 37.40 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 4 | 2025-26 रबी गेहूँ योग- | 73.11 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 5 | जौ | 5.50 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 6 | राई | 4.78 | राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा जनपद फर्रुखाबाद |
| 7 | जूट बोरा कटे फटे सं0 | 2000 | |

नीलामी शर्तें:-

1- बोली लगाने वाले इच्छुक व्यक्ति को रु01000.00 (रु0 एक हजार मात्र) जमानत के रुप में बोली से पूर्व प्रक्षेत्र अधीक्षक राजकीय कृषि प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा के पास जमा कर विभागीय रसीद प्राप्त करना होगी।

2- छानस की अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति को बोली समाप्त होने पर नीलामी मूल्य का 25 प्रतिशत जमा करना होगा शेष 75 प्रतिशत धनराशि नीलामी की स्वीकृति संयुक्त कृषि निदेशक कानपुर मण्डल, कानपुर से प्राप्त होने पर एक सप्ताह के अन्दर नीलामी की धनराशि के अतिरिक्त जी0एस0टी एवं मण्डी शुल्क जमा कर स्टाक उठाना होगा, धनराशि जमा न करने पर 25 प्रतिशत धनराशि जब्त करली जायेगी तथा द्वितीय बोलीदाता को नीलामी सामग्री को उठाने की अनुमति दे दी जायेगी तथा इस विषय में बिधि संगत की गयी किसी भी कार्यवाही का उत्तरदायित्व सम्बन्धित व्यक्ति का ही होगा।

4-प्रक्षेत्र पर छानस आदि जिस स्थित में जैसा स्टाक उपलब्ध है वैसा ही प्राप्त कर अपने वोरे आदि में ले जाना होगा इच्छुक व्यक्ति प्रक्षेत्र जाजपुरबंजारा पर किसी कार्य दिवस में स्टाक की स्थिति देख सकते हैं।

5- नीलामी समिति का यह अधिकार होगा कि नीलामी को बिना किसी कारण बताये निरस्त कर सकती है तथा नीलामी के सम्बन्ध में किसी विवाद को तय करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

6-स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार संयुक्त कृषि निदेशक कानपुर मण्डल, कानपुर को होगा।

आर0ओ0 सं0: 261079
दिनांकः 16.11.2026

( शैलेन्द्र कुमार वर्मा )
जिला कृषि अधिकारी
फर्रुखाबाद।

## कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
## निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद
### ई-निविदा सूचना

**पत्रॉक 2122/4ए** **दिनांकः 12.11.2026**

1-महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग निर्माण में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

2-

| क्र.सं. | जनपद का नाम | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) | धरोहर धनराशि (लाख में) | निविदा पत्रक का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित) | ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | | पैच मरम्मत के कार्य – | | | | | |
| 1. | फर्रुखाबाद | वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य मार्ग एवं प्रमुख जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 9.50 | 0.95 | Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00 | 06 माह | ए, बी, सी एवं डी मार्ग श्रेणी में पंजीकृत |
| 2. | | वित्तीय वर्ष 2026–27 में अन्य जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 9.50 | 0.95 | Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00 | 06 माह | ए, बी, सी एवं डी मार्ग श्रेणी में पंजीकृत |
| 3 | | वित्तीय वर्ष 2026–27 में ग्रामीण मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 9.50 | 0.95 | Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00 | 06 माह | ए, बी, सी एवं डी मार्ग श्रेणी में पंजीकृत |

3-बिड डाक्यूमेंट बेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनाक 19.11.2026 से 25.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध जोकि दिनांक 25.11.2026 दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड उसी कार्य दिवस दिनांक 25.11.2026 समय 12.30 (अपरान्ह) ऑनलाइन खोली जायेगी। निविदा से सम्बंधित नियम / शर्तें तथा विवरण बेबसाइड www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड कया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

4- निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है।

आर0ओ0 सं0: 261062
दिनांकः 16.11.2026

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
फर्रुखाबाद

## कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
## निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

**पत्रॉकः 2121/4** **दिनांक : 12.11.2026**

### निविदा आमंत्रण सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र0सं0/ लॉट सं0 | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (रु0 लाख रु0 में) | धरोहर धनराशि (लाख रु0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि | निविदा प्रपत्र का मूल्य व जीएसटी सहित | ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सहायक अभियन्ता प्रथम के अन्तर्गत आने वाले राज्य मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 2 | सहायक अभियन्ता द्वितीय के अन्तर्गत आने वाले राज्य मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 3 | सहायक अभियन्ता तृतीय के अन्तर्गत आने वाले राज्य मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 4 | सहायक अभियन्ता प्रथम के अन्तर्गत आने वाले प्रमुख जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 5 | सहायक अभियन्ता द्वितीय के अन्तर्गत आने वाले प्रमुख जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 6 | सहायक अभियन्ता तृतीय के अन्तर्गत आने वाले प्रमुख जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य । | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 7 | सहायक अभियन्ता प्रथम के अन्तर्गत आने वाले अन्य जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 8 | सहायक अभियन्ता द्वितीय के अन्तर्गत आने वाले अन्य जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 9 | सहायक अभियन्ता तृतीय के अन्तर्गत आने वाले अन्य जिला मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 10 | सहायक अभियन्ता प्रथम के अन्तर्गत आने वाले ग्रामीण मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 11 | सहायक अभियन्ता द्वितीय के अन्तर्गत आने वाले अन्य ग्रामीण मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |
| 12 | सहायक अभियन्ता तृतीय के अन्तर्गत आने वाले ग्रामीण मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य। | 8.40 | 0.84 | 6 Month | 854.00 | ए, बी, सी, डी (मार्ग) |

लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से दिनांक 19.11.2026 से 24.11.2026 तक सायं 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.11.2026 दोपहर 12:30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निविदा पेटिका में डाली जायेगी। दिनांक 25.11.2026 को दोपहर 02:00 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित ऑथोराइज्ड रजिस्टर्ड फर्म के प्रतिनिधि के समक्ष गठित समिति के सदस्यों द्वारा खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

आर0ओ0 सं0: 261046
दिनांकः 16.11.2026

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता नि0ख0,
लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

## सम्पादकीय

# पंचायत चुनाव टालने की तैयारी या प्रशासनिक मजबूरी



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने की ओर है, लेकिन चुनाव की तैयारियों और संभावित समय-सारिणी को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इसी बीच योगी सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश पंचायत राज (संशोधन) अध्यादेश-2026 लाने की संभावित तैयारी ने पंचायत चुनाव को लेकर नई बहस छेड़ दी है। प्रस्ताव के तहत पंचायत प्रशासकों का कार्यकाल छह महीने तक बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। यदि ऐसा होता है तो प्रदेश की ग्रामीण राजनीति पर इसका व्यापक असर पड़ना तय माना जा रहा है। हालांकि, अभी इसे सरकार का अंतिम निर्णय नहीं माना जा सकता, लेकिन इस प्रस्ताव ने चुनाव की तैयारी कर रहे संभावित प्रत्याशियों से लेकर वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों तक की चिंता और उत्सुकता बढ़ा दी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पंचायत चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी कड़ी हैं, तब उन्हें निर्धारित समय पर कराने के बजाय प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ाने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है? पंचायत व्यवस्था केवल गांवों में विकास कार्य कराने वाली प्रशासनिक इकाई नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम भी है। ग्राम प्रधान से लेकर क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत तक जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है। इन संस्थाओं के माध्यम से गांवों की सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, आवास, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े फैसलों में स्थानीय स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित होती है। ऐसे में चुनाव को आगे बढ़ाने का कोई भी निर्णय केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं रह सकता। उसका सीधा संबंध ग्रामीण लोकतंत्र और जनता के प्रतिनिधित्व से है।

सरकार के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती 26 नवंबर को पंचायत प्रशासकों का मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने से पहले अगली व्यवस्था तय करने की है। प्रस्तावित अध्यादेश के जरिए यदि छह महीने का विस्तार दिया जाता है तो प्रशासनिक स्तर पर तत्काल चुनाव कराने की बाध्यता कुछ समय के लिए टल सकती है। सरकार के पक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि चुनाव से पहले जरूरी प्रशासनिक तैयारियां, मतदाता सूची का पुनरीक्षण, आरक्षण निर्धारण और अन्य प्रक्रियाओं को व्यवस्थित ढंग से पूरा करना आवश्यक है। प्रदेश में बड़ी संख्या में पंचायतों के चुनाव होने हैं और इनके संचालन में व्यापक प्रशासनिक मशीनरी की जरूरत पड़ती है। यदि किसी कारण से चुनाव की तैयारियां अधूरी हैं तो सरकार के सामने व्यवस्था बनाए रखने का प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन प्रशासनिक सुविधा के नाम पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनिश्चित अवधि तक आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। चुनाव की तैयारी और चुनाव कराने की समयसीमा दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है।

इस पूरे मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का 14 अक्टूबर 2026 का आदेश भी बेहद महत्वपूर्ण है। अदालत ने प्रदेश में तीन महीने के भीतर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव की तैयारियां तत्काल शुरू करने और निर्धारित समयसीमा में प्रक्रिया पूरी करने को कहा था। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि प्रशासकों का कार्यकाल कानून में निर्धारित सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। ऐसे में अब प्रस्तावित अध्यादेश को केवल एक प्रशासनिक निर्णय के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके साथ न्यायालय के आदेश, मौजूदा पंचायत राज कानून और संवैधानिक प्रावधानों का सवाल भी जुड़ा हुआ है। सरकार यदि कानून में संशोधन करना चाहती है तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रस्तावित व्यवस्था न्यायिक आदेशों और संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप हो। अध्यादेश लाना सरकार का विधायी अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल किसी न्यायिक आदेश को निष्प्रभावी करने के उद्देश्य से नहीं किया जा सकता।

**प्रधान संपादक**

## कर्मों का प्रतिघात

दूजों के घर आग जो, लगा रहे दिन-रात।
प्रकृति चुकाती ब्याज से, कर्मों का प्रतिघात॥

औरों के आँगन में जो, बोते काँटे रोज़।
उनके हिस्से भी कहाँ, खिलते सुख के भोज॥

परपीड़ा के बीज से, उगते नहीं गुलाब।
कर्म लौटकर एक दिन, देते स्वयं हिसाब॥

दूजों की बस्ती जला, जो समझे खुद वीर।
वक्त उसी के द्वार पर, लिखता नई लकीर॥

जो दूजों के घाव पर, छिड़कें हैं अंगार।
समय उन्हीं के द्वार पर, करता लौट प्रहार॥

प्रकृति न लेती पक्ष है, रखती सबका लेख।
जैसा बोया कर्म है, वैसा मिलता देख॥

दूजों की खुशियाँ जला, जो पाते संतोष।
वक्त उन्हीं के भाग्य में, लिखता अपना रोष॥

आग लगाकर दूसरों, हँसते जो दिन-रात।
कालिख उनके द्वार पर, लिखती उनकी बात॥

कर्म किसी के भी कभी, जाते नहीं निठार।
लौट हवाओं संग वे, करते हैं प्रतिकार॥

जो बोते हैं द्वेष को, पाते वही संताप।
प्रकृति सभी के कर्म का, रखती सदा हिसाब॥

औरों के आँगन जले, अपना महल निहार।
समय बदलता चाल जब, बचे नहीं अहंकार॥



**डॉ सत्यवान सौरभ**
(एक कवि और सामाजिक विचारक है।)
प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

# सच्चाई की तलाश में जोखिमः पत्रकारिता क्यों बन गई चुनौती?

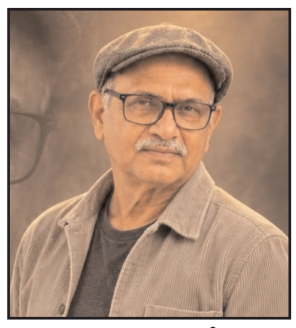

डॉ. विजय गर्ग

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। इसका मूल उद्देश्य समाज को सच्चाई से अवगत कराना, सत्ता से सवाल पूछना और आम नागरिकों की आवाज को मंच प्रदान करना है। लेकिन आज दुनिया के अनेक देशों में पत्रकारिता एक जोखिम भरा पेशा बनती जा रही है। सच सामने लाने की कोशिश करने वाले पत्रकारों को धमकियों, हमलों, कानूनी दबाव, सेंसरशिप और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ रहा है।

पत्रकारिता का सबसे बड़ा दायित्व सत्ता से सवाल पूछना और समाज के सामने वास्तविक तथ्यों को रखना है। जब पत्रकार भ्रष्टाचार, अपराध, मानवाधिकारों के उल्लंघन, युद्ध और राजनीतिक अनियमितताओं की पड़ताल करते हैं, तो कई प्रभावशाली लोग उन्हें अपनी राह का बाधक समझने लगते हैं। परिणामस्वरूप पत्रकारों पर दबाव बनाया जाता है और उनकी स्वतंत्रता सीमित करने की कोशिश की जाती है।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों में पत्रकारों का काम विशेष रूप से खतरनाक होता है। वे अपनी जान जोखिम में डालकर संघर्ष, हिंसा और मानवीय संकट की वास्तविक तस्वीर दुनिया तक पहुंचाते हैं। कई पत्रकार रिपोर्टिंग के दौरान मारे जाते हैं, घायल होते हैं या लापता हो जाते हैं। दूसरी ओर, खोजी पत्रकारिता करने वालों को संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और राजनीतिक हितों से जुड़े लोगों की ओर से गंभीर धमकियां मिलती हैं।

डिजिटल युग ने पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। सोशल मीडिया पर पत्रकारों को ट्रोलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न, चरित्र हनन और झूठे आरोपों का सामना करना पड़ता है। महिला पत्रकारों को विशेष रूप से अपमानजनक टिप्पणियों और ऑनलाइन धमकियों का निशाना बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, फर्जी समाचार, भ्रामक सूचनाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री ने विश्वसनीय पत्रकारिता की चुनौती बढ़ा दी है।

हालांकि पत्रकारिता के सामने केवल बाहरी खतरे ही नहीं हैं। मीडिया संस्थानों पर व्यावसायिक हितों, विज्ञापनदाताओं और राजनीतिक प्रभाव का दबाव भी बढ़ रहा है। टीआरपी और क्लिक की दौड़ में कई बार तथ्यात्मक खबरों की जगह सनसनीखेज प्रस्तुतिकरण ले लेता है। ऐसे वातावरण में निष्पक्षता, स्वतंत्रता और पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को बनाए रखना कठिन होता जा रहा है।

यह भी आवश्यक है कि पत्रकारिता के नाम पर अफवाह, पक्षपात और बिना प्रमाण के आरोपों को बढ़ावा न दिया जाए। स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। पत्रकारों को तथ्यों की पुष्टि, निष्पक्षता और सामाजिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और सुरक्षित पत्रकारिता अनिवार्य है। सरकारों को पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, हमलों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और दोषियों को जवाबदेह बनाना चाहिए। मीडिया संस्थानों को भी अपने पत्रकारों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए।

सच्ची पत्रकारिता का अर्थ केवल खबर प्रकाशित करना नहीं, बल्कि सच के प्रति ईमानदार रहना है। पत्रकारों की सुरक्षा केवल मीडिया जगत का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज के सूचना पाने के अधिकार और लोकतंत्र के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

जिस समाज में सच लिखने और बोलने वाले डरने लगें, वहां लोकतंत्र की आवाज कमजोर होने लगती है। पत्रकारिता को जोखिम नहीं, बल्कि सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा का पेशा बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

**प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप**

# बचपन की सुरक्षा, समाज की सर्वोच्च जिम्मेदारी

सुरेश सिंह बैस शाश्वत



बचपन जीवन का वह अनमोल समय है, जब बच्चे को स्नेह, सुरक्षा, शिक्षा और अच्छे संस्कारों की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। उसका संसार विश्वास, जिज्ञासा और सपनों से बनता है। लेकिन जब इसी उम्र में किसी बच्चे को शोषण, दुर्व्यवहार या हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो उसकी मासूमियत ही नहीं, उसके आत्मविश्वास और भविष्य पर भी गहरा आघात पहुंचता है। किसी बच्चे के साथ होने वाला अन्याय केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशीलता और व्यवस्था के सामने खड़ा गंभीर प्रश्न है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2022 में 18 नवंबर को बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा की रोकथाम तथा उससे उबरने के लिए विश्व दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य बच्चों के विरुद्ध होने वाले शोषण और हिंसा को रोकना, पीड़ितों को न्याय तथा सहायता उपलब्ध कराना और उनके सम्मान, अधिकारों एवं पुनर्वास को सुनिश्चित करना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि मानवीय और सामाजिक दायित्व भी है।

बच्चों के साथ होने वाला दुर्व्यवहार अनेक रूपों में सामने आ सकता है। शारीरिक हिंसा, मानसिक प्रताड़ना, यौन शोषण, उपेक्षा, धमकी और डिजिटल माध्यमों से शोषण इसके गंभीर उदाहरण हैं। कई बार बच्चे भय, शर्म, भ्रम या किसी परिचित व्यक्ति के दबाव के कारण अपनी पीड़ा किसी को बता नहीं पाते। इसलिए यह मान लेना गलत है कि बच्चा चुप है तो उसके साथ सब कुछ ठीक है। अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों के व्यवहार में अचानक आए बदलाव, असामान्य भय, किसी व्यक्ति से मिलने में घबराहट अथवा लगातार उदासी जैसे संकेतों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। ऐसे संकेत अपने आप में शोषण का प्रमाण नहीं हैं, लेकिन उन्हें अनदेखा भी नहीं किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों को ऐसा वातावरण मिले, जहां वे बिना डरे अपनी बात कह सकें। यदि कोई बच्चा अपने साथ हुई किसी अनुचित घटना के बारे में बताता है, तो उसे डांटना, दोष देना या उसकी बात पर तुरंत अविश्वास करना उसके दर्द को और बढ़ा सकता है। उसकी बात शांतिपूर्वक सुनना, उसे यह विश्वास दिलाना कि उसकी गलती नहीं है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना पहला कदम होना चाहिए।

बच्चों की सुरक्षा की शुरुआत घर से होती है। उन्हें उम्र के अनुरूप यह समझाना चाहिए कि उनके शरीर और निजी सीमाओं का सम्मान आवश्यक है, वे किसी अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठा सकते हैं और असहज स्थिति में भरोसेमंद वयस्क से सहायता मांग सकते हैं। बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि कोई व्यक्ति यदि उन्हें डराकर, लालच देकर या गोपनीयता के नाम पर परेशान करे, तो वे इसकी जानकारी अभिभावक अथवा किसी विश्वसनीय शिक्षक को दें। विद्यालयों में बाल-सुरक्षा संबंधी स्पष्ट व्यवस्था, संवेदनशील शिकायत प्रक्रिया, प्रशिक्षित कर्मचारी और नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए। बच्चों की शिकायतों को हल्के में लेना या प्रतिष्ठा बचाने के लिए उन्हें दबाना समस्या को और गंभीर बना सकता है। संस्थानों का पहला दायित्व बच्चे की सुरक्षा है, न कि अपनी छवि की रक्षा।डिजिटल युग में ऑनलाइन सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को अनजान लोगों से निजी जानकारी साझा न करने, अनुचित संदेशों या तस्वीरों के दबाव में न आने और किसी संदिग्ध ऑनलाइन संपर्क की जानकारी भरोसेमंद वयस्क को देने की शिक्षा दी जानी चाहिए। अभिभावकों को निगरानी के साथ संवाद और विश्वास का वातावरण भी बनाए रखना होगा।

भारत में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो कानून) बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह कानून 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को बच्चा मानता है और ऐसे अपराधों की रिपोर्टिंग तथा बच्चों के अनुकूल प्रक्रियाओं के लिए प्रावधान करता है। संबंधित मामलों में कानून के अनुसार सूचना देना और सक्षम अधिकारियों तक पहुंचना महत्वपूर्ण है। किसी बच्चे के साथ दुर्व्यवहार या शोषण का संदेह होने पर पुलिस, विशेष किशोर पुलिस इकाई, बाल कल्याण समिति अथवा जिला बाल संरक्षण इकाई जैसे सक्षम तंत्रों से सहायता ली जा सकती है।

तत्काल खतरे की स्थिति में पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 से संपर्क किया जा सकता है। बच्चों की पहचान, निजी जानकारी और पीड़ा से जुड़ी सामग्री को सार्वजनिक करने से बचना चाहिए, ताकि उनकी गरिमा और सुरक्षा बनी रहे। न्याय की प्रक्रिया के साथ मानसिक और भावनात्मक उपचार भी आवश्यक है। पीड़ित बच्चे को चिकित्सकीय सहायता, परामर्श, सुरक्षित वातावरण और परिवार के सहयोग की जरूरत हो सकती है। उसके साथ धैर्य और संवेदनशीलता से व्यवहार करना चाहिए। उसे बार-बार घटना बताने के लिए बाध्य करना या समाज के सामने उसकी पहचान उजागर करना उसके लिए अतिरिक्त पीड़ा का कारण बन सकता है।

बच्चों के विरुद्ध हिंसा रोकने के लिए केवल एक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। परिवार, विद्यालय, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर निरंतर प्रयास करने होंगे।

शिकायतों को गंभीरता से लेना, बच्चों को अधिकारों की जानकारी देना, दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई करना और पीड़ितों के पुनर्वास को प्राथमिकता देना आवश्यक है। बचपन को सुरक्षित रखना किसी एक व्यक्ति या संस्था का काम नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जिस समाज में बच्चे निर्भय होकर जी सकें, अपनी बात कह सकें और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर पा सकें, वही समाज वास्तव में सभ्य और प्रगतिशील कहलाने का अधिकारी है। इस दिवस पर संकल्प लें कि बच्चों की आवाज सुनेंगे, उनकी सुरक्षा से जुड़े संकेतों को अनदेखा नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध जिम्मेदारी से कदम उठाएँगे। *बच्चों को भयमुक्त बचपन देना केवल हमारा कर्तव्य नहीं, उनके भविष्य के प्रति हमारा नैतिक वचन है।

हर बच्चे की आँखों में
सपनों का संसार रहे,
हर आँगन में हँसी,
हर मन में विश्वास रहे।
न शोषण की छाया हो,
न भय की दीवार रहे,
सुरक्षित बचपन से ही उज्वल भारत
निर्मित रहे।।

**प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप**

# मनीला में भारत का महा कूटनीतिक शक्ति प्रदर्शन!



एड. किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर 17 नवंबर 2026 का दिन अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर सामने आया है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक ओर 23वें आसियान भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत ने दक्षिण - पूर्व एशिया के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया,तो दूसरी मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि मंगलवार 17 नवंबर 2026 को शाम 4 बजे ओर क्वाड के मंच पर भारत, अमेरिका जापान और ऑस्ट्रेलिया के साझा हितों का प्रश्न वैश्विक चर्चा के केंद्र में रहा।

मनीला में भारतीय पीएम,अमेरिकी राष्ट्रपति जापान की पीएम और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के बीच क्वाड नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई।बैठक में भारतीय पीएम ने क्वाड को भारत के लिए एक रचनात्मक और विश्वसनीय साझेदारी बताते हुए कहा कि समुद्री सुरक्षा,भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं, नई तकनीकों और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में यह हिंद-प्रशांत के लिए उपयोगी समाधान उपलब्ध करा सकता है।

उन्होंने अगले चरण के सहयोग के लिए ठोस लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा जताई।अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी को महान नेता और अपना मित्र बताते हुए चारों देशों के संबंधों को मजबूत बताया।बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों,दुर्लभ मृदा तत्वों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमी कंडक्टर समुद्री निगरानी और संयुक्त समुद्री गश्ती अभ्यासों पर सहयोग की चर्चा हुई।ट्रंप ने नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता त्वरक कार्यक्रम की घोषणा भी की।यह बैठक 19 नवंबर की प्रस्तावित ट्रंप-शी जिनपिंग- पुतिन वार्ता से पहले विशेष कूटनीतिक महत्व रखती है।

दक्षिण चीन सागर में चीन का बढ़ता प्रभाव होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा की चुनौती, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता और 19 नवंबर को चीन के शेनझेन में प्रस्तावित ट्रंप-शी जिनपिंग -पुतिन की त्रिपक्षीय बैठक ने इस कूटनीतिक हलचल को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। सवाल यह है कि क्या भारत आसियान की आर्थिक ताकत और क्वाड की रणनीतिक साझेदारी के सहारे हिंद- प्रशांत में नया शक्ति संतुलन स्थापित कर पाएगा?

साथियों बात अगर हम आसियान क्या है और भारत के लिए इसकी मित्रता क्यों महत्वपूर्ण है? इसको समझने की करें तो,आसियान अर्थात दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन 8 अगस्त 1967 को स्थापित हुआ था। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक विकास, क्षेत्रीय शांति, राजनीतिक स्थिरता, व्यापार, निवेश और सामाजिक -सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

वर्तमान में इसके 11 सदस्य देशहैं, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस म्यांमार, कंबोडिया और पूर्वी तिमोर( तिमोर-लेस्ते ) पूर्वी तिमोर अक्टूबर 2025 में इसका11वां सदस्यबना भारत आसियान का संवाद साझेदार और व्यापक रणनीतिक साझेदार है।भारत के लिए आसियान की मित्रता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दक्षिण-पूर्व एशिया भारत को पूर्वी एशिया, प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक समुद्री व्यापार से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण भौगोलिक सेतु है।

**प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप**

## राशिफल

**मेषः** आज का दिन उत्साह और ऊर्जा से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

**वृषभः** आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

**मिथुनः** नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी। वाणी पर संयम रखें।

**कर्कः** आज रुके हुए कार्य पूरे होने के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

**सिंहः** कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना उचित रहेगा।

**कन्याः** दिन अनुकूल रहेगा। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। व्यापार में नए अवसर मिलने की संभावना है।

**तुलाः** दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में सतर्क रहें।

**वृश्चिकः** आज धैर्य और समझदारी से काम लें। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन प्रयास सफल होंगे।

**धनुः** भाग्य का साथ मिल सकता है। यात्रा के योग बन रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**मकरः** नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

**कुंभः** रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने काम में सफलता मिल सकती है।

**मीनः** दिन सामान्य से अच्छा रहेगा। धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

# डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ता जाल



डॉ. प्रियंका सौरभ

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

डिजिटल क्रांति ने भारत की अर्थव्यवस्था, बैंकिंग व्यवस्था और नागरिक जीवन को नई गति दी है। आज मोबाइल फोन के माध्यम से पैसे भेजना, बिलों का भुगतान करना, खरीदारी करना और सरकारी सेवाओं का लाभ उठाना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट ने वित्तीय लेन-देन को आम आदमी की पहुँच में ला दिया है। लेकिन इस सुविधा के साथ एक गंभीर चुनौती भी तेजी से उभरी है—साइबर धोखाधड़ी। तकनीक ने जहाँ आर्थिक गतिविधियों को सरल बनाया है, वहीं अपराधियों को लोगों की मेहनत की कमाई तक पहुँचने के नए रास्ते भी उपलब्ध कराए हैं। आज साइबर अपराध केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक विश्वास और संस्थागत जवाबदेही से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है।

भारत में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के पीछे कई परस्पर जुड़े कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण डिजिटल सेवाओं का तेजी से विस्तार और उसके अनुपात में डिजिटल साक्षरता का विकास न हो पाना है। देश के छोटे कस्बों, गाँवों और दूरदराज के क्षेत्रों तक ऑनलाइन बैंकिंग और यूपीआई की पहुँच तो बढ़ी है, लेकिन बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता डिजिटल सुरक्षा के बुनियादी नियमों से परिचित नहीं हैं। वे अनजान लिंक पर क्लिक कर देते हैं, ओटीपी साझा कर देते हैं अथवा फर्जी ग्राहक सेवा नंबरों के झाँसे में आ जाते हैं। अपराधी इसी जानकारी की कमी का लाभ उठाकर बैंक खातों से धन निकाल लेते हैं।

साइबर अपराध का एक खतरनाक स्वरूप फिशिंग और पहचान की धोखाधड़ी है। इसमें अपराधी बैंक अधिकारी, सरकारी कर्मचारी, पुलिसकर्मी अथवा किसी प्रतिष्ठित संस्थान का प्रतिनिधि बनकर लोगों से संपर्क करते हैं। वे खाते केवाईसी अपडेट करने, बैंक खाता बंद होने, पार्सल में प्रतिबंधित वस्तु मिलने या किसी सरकारी जाँच का हवाला देकर भय और भ्रम पैदा करते हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी इसका सबसे चिंताजनक उदाहरण है। इसमें अपराधी स्वयं को पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य जाँच एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को मानसिक रूप से बंधक बना लेते हैं। गिरफ्तारी, कानूनी कार्रवाई और सामाजिक बदनामी का डर दिखाकर उनसे लाखों रुपये तक वसूल लिए जाते हैं।

तकनीक के दुरुपयोग ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की सहायता से तैयार किए गए डीपफेक वीडियो और नकली आवाजें अब किसी व्यक्ति की पहचान की नकल करने में सक्षम हैं। अपराधी रिश्तेदार, परिचित, वरिष्ठ अधिकारी अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति की आवाज में फोन करके आपातकालीन आर्थिक सहायता माँग सकते हैं। पहले जहाँ गलत वर्तनी वाले संदेशों और संदिग्ध ईमेल से धोखाधड़ी की पहचान करना अपेक्षाकृत आसान था, वहीं अब अत्याधुनिक तकनीक ने अपराधियों के छल को अधिक विश्वसनीय बना दिया है।

एक अन्य बड़ी समस्या म्यूल बैंक खातों की है। ये ऐसे बैंक खाते होते हैं जिनका उपयोग साइबर अपराध से प्राप्त धन को एक खाते से दूसरे खाते में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। कई बार बेरोजगार युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खाते इस्तेमाल किए जाते हैं। कुछ मामलों में लोग बिना पूरी जानकारी के अपने खाते और एटीएम कार्ड दूसरों को सौंप देते हैं। अपराधी इन खातों की श्रृंखला बनाकर धन की वास्तविक पहचान और स्रोत छिपाने का प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क, फर्जी सिम कार्ड, नकली पहचान और सीमापार डिजिटल लेन-देन के कारण जाँच एजेंसियों के सामने भी कठिनाइयाँ बढ़ रही हैं।

दिलचस्प बात यह है कि साइबर धोखाधड़ी केवल अपराधियों की चालाकी का परिणाम नहीं है, बल्कि कई बार संस्थागत कमजोरियाँ भी इसे बढ़ावा देती हैं। बैंकिंग व्यवस्था की जिम्मेदारी केवल ग्राहकों को डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। बैंकों को संदिग्ध खातों की पहचान, मजबूत केवाईसी प्रक्रिया और असामान्य लेन-देन की निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी होगी। यदि किसी खाते में अचानक बड़ी मात्रा में धन आने-जाने लगे अथवा कम समय में कई संदिग्ध लेन-देन हों, तो बैंक की निगरानी प्रणाली को तत्काल सक्रिय होना चाहिए। विशेष रूप से म्यूल खातों की पहचान के लिए बैंकों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान और समन्वय आवश्यक है।

**प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप**

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

## ट्रेन की चपेट में आई महिला को जीआरपी जवान ने बचाया, डीजी ने किया सम्मानित

***क्षिप्रा एक्सप्रेस में चढ़ते समय फिसला था महिला का पैर, प्रदीप कुमार को मिला प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार***

**मीरजापुर।**
रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आई महिला यात्री की जान बचाने वाले जीआरपी के जवान प्रदीप कुमार को पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जवान के साहस, सूझबूझ और मानवीय कार्य की सराहना की।

घटना 11 नवंबर 2026 की है। मीरजापुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर क्षिप्रा एक्सप्रेस (22911) में चढ़ते समय एक महिला यात्री का पैर फिसल गया। वह ट्रेन की चपेट में आ गई। इसी दौरान मौके पर मौजूद ट्रेन एस्कॉर्ट में तैनात कांस्टेबल प्रदीप कुमार ने तत्परता दिखाते हुए महिला को तत्काल खींचकर बाहर निकाल लिया। इससे उसकी जान बच गई।

जवान की इस बहादुरी और मानवीय पहल की स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने भी सराहना की थी। पुलिस महानिदेशक रेलवे ने ड्यूटी के दौरान साहस और सूझबूझ का परिचय देने वाले पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

## शराब के नशे में अधेड़ ने लगाई फांसी, मौत

**हमीरपुर।**
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे के कपाड़िया मुहाल में एक अधेड शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कस्बे के कपाड़िया मुहाल का निवासी रामनारायन उर्फ चट्टू कुशवाहा 48 शराब का आदी था। माता पिता की मौत के बाद यह घर में अकेला रहता था। इसने शराब के नशे में घर के बाहर लगे पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सुबह लोगों ने देखा यह फांसी पर लटका हुआ था। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## गोदुग्ध पान करने वाले शिशु होते हैं मेधावी :पंकज

***दूध प्राप्त कर गाय को सड़क पर छोड़ना महापाप, यह बंद हो***

**अयोध्या।**
कारसेवकपुरम् परिसर स्थित श्रीराम गौशाला समिति द्वारा संपन्न गोपाष्टमी पर्व पर विहिप केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह "पंकज" ने हिन्दू समाज का आह्वान करते हुए कहा कि गो-पालक हिन्दू समाज दुग्ध लेने के बाद गायों को सड़क पर छोड़ना बंद करे, यह घोर पाप है। पूजन कर्मकाण्ड भले ही न करें पर गायों को सड़क पर छोड़ना बंद करें।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में श्रीराम वेद विद्यालय के प्रधानाचार्य इंद्रदेव मिश्र, पुष्पदीप शुक्ला, गोपाल पाण्डेय व दो अन्य बटुकों ने सर्व प्रथम गौरी गणेश स्थापना के साथ कलश पूजन, गो-पूजन, पुरुष सूक्त व श्री सूक्त के साथ भगवान श्रीराम के 108 नामों के मन्त्रोच्चार से आहुतियां दे यज्ञ कराया। इसके बाद गो माता की आरती कर गो-सेवकों अमित तिवारी, सुभाष पाण्डेय, सुनील, तेज बहादुर, सहज राम मौर्य, राम जी, रीना सिंह, मानिक राजपूत, कमला देवी, सर्वेश शुक्ला को सम्मानित किया गया।

अंत में विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह ह्लपंकजह्व ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गो-दुग्ध में पाया जाने वाला पीलापन कैरोटीन तत्व के कारण है।

# निर्वाचन आयोग ने आलेख्य मतदाता सूची पर की मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

**विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में राजनैतिक दलों से सहयोग करने का किया गया अनुरोध**

**लखनऊ।**
भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2027 के आधार पर प्रदेश के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की आलेख्य मतदाता सूची के प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ द्वितीय बैठक आयोजित की गयी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम 15 अक्टूबर 2026 को घोषित किया गया था। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम से अवगत कराने हेतु 16 अक्टूबर 2026 को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ प्रथम बैठक की गयी थी।



**बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गयी जानकारी**

सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा आलेख्य प्रकाशन हेतु तैयार की गयी निर्वाचक नामावली की 02 प्रतियां (1 हार्ड एवं 1 साफ्ट कॉपी) एवं पूरक सूचियों की एक प्रति समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराई गई हैं। आलेख्य निर्वाचक नामावली एवं पूरक सूचियां मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की वेबसाइट (ceouttarpradesh.nic.in) पर भी उपलब्ध है।

आलेख्य निर्वाचक नामावली में अपना नाम, मतदेय स्थल पर अथवा बूथ लेवल अधिकारी के पास उपलब्ध आलेख्य मतदाता सूची से, ईसीआईनेट मोबाइल ऐप से तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश की वेबसाइटceouttarpradesh.nic.in अथवा नागरिक सेवा पोर्टल voters.eci.gov.in के माध्यम से जांच कर सकते हैं।

प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक या अन्य अध्यापक और अन्य शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक या अशैक्षणिक कर्मचारी, जो तृतीय श्रेणी से अन्यून हो, को पदाभिहित अधिकारी नियुक्त किया जा रहा है, जो प्रत्येक कार्य दिवस में अपने कार्यालय समय में पदाभिहित स्थलों पर उपस्थित रहेंगे। पदाभिहित अधिकारी के पास आलेख्य मतदाता सूची और पूरक सूचियां भी जनसामान्य को दिखाने के लिए उपलब्ध होंगी और उनके पास पर्याप्त संख्या में फार्म-6, 6ए. 7 और 8 भी उपलब्ध रहेंगे। उनके द्वारा दावे और आपत्तियां भी प्राप्त की जायेंगी। उक्त पदाभिहित अधिकारियों की सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को भी उपलब्ध करायी जायेगी।

आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में विशेष अभियान की 4 तिथियां यथा-21 नवम्बर, 2026 (शनिवार) एवं 22 नवम्बर, 2026 (रविवार) तथा 28 नवम्बर, 2026 (शनिवार) एवं 29 नवम्बर, 2026 (रविवार) निर्धारित की गयी हैं। प्राप्त दावे और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा और निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य में प्रमुख भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को आयोग की अनुमति के बिना पुनरीक्षण अवधि आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर 2026 से अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 तक स्थानान्तरित करने पर रोक लगा दी गयी है।

## यूपी के पहले वानिकी विश्वविद्यालय सहित 792 करोड़ की 55 परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम

**गोरखपुर।**
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार (19 नवंबर) को गोरखपुर के कैम्पियरगंज में प्रदेश के पहले वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय का शिलान्यास करने के साथ ही 792 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 55 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। वह 491 करोड़ की फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी सहित 621.05 करोड़ की 16 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही उनके हाथों 171.13 करोड़ रुपये की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण भी होगा।

कैम्पियरगंज के भारीवैसी में आयोजित होने वाले शिलान्यास व लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री जिन परियोजनाओं का उपहार देंगे उनमें सबसे अहम मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट ह्यवानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालयह्ल (फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी) है। यह प्रदेश का पहला वानिकी विश्वविद्यालय होगा। 50 हेक्टेयर (123.55 एकड़) क्षेत्र में बनने वाले इस विश्वविद्यालय के निर्माण पर 491 करोड़ रुपये से अधिक लागत आएगी। इस विश्वविद्यालय में वानिकी एवं औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में स्नातक (बीएससी), परास्नातक (एमएससी) और पीएचडी के साथ ही डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य वन सेवा तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी के पदों पर क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जाना भी प्रस्तावित है।

गुरुवार को होने वाले कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ग्रामीण रोड कनेक्टिविटी, बाढ़ बचाव और कस्तूरबा बालिका विद्यालय की सुरक्षा से जुड़ी, करीब 130 करोड़ की 15 अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। इनमें 54.52 करोड़ रुपये की लागत वाली, रोहिन नदी के दाएं तट पर स्थित मछलीगांव अलगटपुर तटबंध के किमी 18.20 के कलान नाले पर कल्यानपुर के पास पम्पिंग स्टेशन के निर्माण कार्य की परियोजना और 57.19 करोड़ रुपये की रोहिन नदी के दाएं तट पर स्थित मानीराम डोमिनगढ़ तटबंध के किमी 10 पर ग्राम सिउरिया के पास पम्पिंग स्टेशन के निर्माण कार्य की परियोजना शामिल है।

लोकार्पण की 39 परियोजनाओं में भी अधिकतर कार्य ग्रामीण रोड कनेक्टिविटी और बाढ़ बचाव से संबंधित हैं।

## कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' की मां विमला देवी का निधन

**प्रयागराज।**
उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी की मां श्रीमती विमला देवी का बुधवार सुबह बीमारी के चलते इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिवार और करीबियों में शोक की लहर दौड़ गई।



मां के निधन से मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' और उनके परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शोकाकुल परिवार के प्रति लोगों ने संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।

## रोहिंग्या समुदाय की आनुवंशिक जड़ें मुख्य रूप से पूर्वी दक्षिण एशिया में, म्यांमार से सीमित लेकिन स्पष्ट मिश्रण के संकेत

**पहली बार हुआ रोहिंग्या समुदाय का विस्तृत जीनोम अध्ययन, 10 संस्थानों के 12 वैज्ञानिकों ने मिलकर किया शोध**



**वाराणसी।**
रोहिंग्या समुदाय की आनुवंशिक उत्पत्ति और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को लेकर पहली बार विस्तृत जीनोम अध्ययन किया गया है। दस संस्थानों के 12 वैज्ञानिकों के अंतरराष्ट्रीय दल द्वारा किए गए इस शोध में सामने आया है कि रोहिंग्या समुदाय की आनुवंशिक जड़ें मुख्य रूप से पूर्वी दक्षिण एशिया में हैं। हालांकि, म्यांमार के अराकान क्षेत्र में लंबे समय तक निवास और स्थानीय आबादी के साथ संपर्क के कारण उनमें तिब्बतो-बर्मी भाषी समुदायों से आनुवंशिक मिश्रण के भी स्पष्ट संकेत मिले हैं।

इस खास शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि रोहिंग्या समुदाय का आनुवंशिक आधार दक्षिण एशियाई है, लेकिन पड़ोसी बांग्लादेशी आबादी की तुलना में उनमें पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशियाई आनुवंशिक अंश अपेक्षाकृत अधिक है। यह अध्ययन उनकी भाषाई पहचान और ऐतिहासिक संपर्कों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शोधकताओं ने डीएनए में कुछ ऐसे जीन भी चिह्नित किए हैं, जो स्थानीय पर्यावरण और जैविक परिस्थितियों के अनुकूलन से जुड़े संभावित संकेत देते हैं।

**——दस संस्थानों के वैज्ञानिकों ने मिलकर किया अध्ययन**

इस अंतरराष्ट्रीय शोध दल में काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी, ढाका विश्वविद्यालय (बांग्लादेश), टार्टू विश्वविद्यालय (एस्टोनिया), सीडीएफडी हैदराबाद, केयू ल्यूवेन (बेल्जियम), बारी विश्वविद्यालय (इटली), ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन (आयरलैंड), कलकत्ता विश्वविद्यालय और बर्न विश्वविद्यालय (स्विट्जरलैंड) के वैज्ञानिक शामिल रहे।

बांग्लादेश के आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्रालय से अनुमति मिलने के बाद ढाका विश्वविद्यालय की डॉ. गाजी नुरुन नहार सुल्ताना के नेतृत्व में कॉक्स बाजार स्थित रोहिंग्या शरणार्थी शिविर से 25 लोगों के रक्त के नमूने एकत्र किए गए। तुलनात्मक अध्ययन के लिए 27 बांग्लादेशी मुस्लिम, नौ बांग्लादेशी हिंदू और नौ बाव्म जनजाति के लोगों के नमूने भी शामिल किए गए।

## बीएचयू में जुटे देश भर के भू एवं पर्यावरण विज्ञानी ,तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

**वाराणसी।**
उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में बुधवार से तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हुई। सम्मेलन में देश भर के भूविज्ञानियों तथा पर्यावरण वैज्ञानिकों की जुटान हुई है। बीएचयू के भूविज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान की ओर से विज्ञान संस्थान के सेमिनार कॉम्प्लेक्स स्थित महामना हॉल में आयोजित 'पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान में प्रगतिः चुनौतियाँ एवं अवसर ' विषयक सम्मेलन में दिग्गज वैज्ञानिक व शोधकर्ता भी भाग ले रहे है। 20 नवम्बर तक चलने वाले इस सम्मेलन में प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए है। जिनमें सर्वेक्षण, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और जीपीएस के उपकरणों सहित उन्नत भू-स्थानिक उत्पादों, सेवाओं और तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। सम्मेलन के संयोजकों प्रो० बिंध्याचल पाण्डेय तथा प्रो० प्रकाश कुमार सिंह ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सीएसआईआर राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, एनआईओ, गोवा के निदेशक प्रोफेसर सुनील कुमार सिंह एवं विशिष्ट अतिथि बीरबल साहनी पुराविज्ञान, संस्थान बीएसआईपी, लखनऊ के निदेशक प्रोफेसर महेश जी ठक्कर है। अध्यक्षता बीएचयू के कुलपति प्रोफेसर अजित कुमार चतुवेर्दी कर रहे है। विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर संजय कुमार एवं विज्ञान संस्थान के संकाय प्रमुख प्रोफेसर अरुण देव सिंह भी उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे।

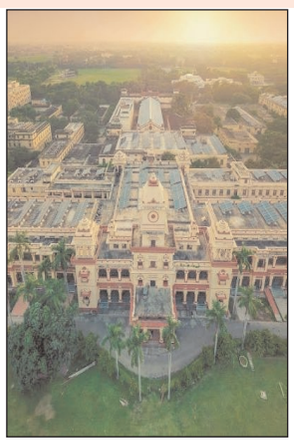

प्रो० बिंध्याचल पाण्डेय तथा प्रो० प्रकाश कुमार सिंह के अनुसार सम्मेलन में तीन दिन तक देश भर से पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान के वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लेंगे तथा समसामयिक ज्वलंत विषयों जैसे कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं, खनिज एवं जल संसाधन एवं संरक्षण तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग जैसे विषयों पर विचार विमर्श करेंगे।

# खिलाड़ियों के आतिथ्य-सत्कार से बढ़ेगी पूर्वांचल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा : कुलपति

**जौनपुर।**
उत्तर प्रदेश के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 18 से 21 नवंबर तक पूर्वी क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीय कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद इनडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता में 14 प्रदेशों के 60 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें करीब 800 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।



प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कुलपति सभागार में आयोजित बैठक में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के स्वागत से लेकर उनके ठहरने, भोजन, खेल और विदाई तक हर व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। खिलाड़ियों के आतिथ्य-सत्कार में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

कुलपति ने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और आत्मीय वातावरण उपलब्ध कराने से विश्वविद्यालय की सकारात्मक छवि बनेगी।

प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ी अपने साथ विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं और आतिथ्य का अनुभव लेकर जाएंगे, जिससे 14 प्रदेशों में विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उन्होंने सभी समितियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।

खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के पंजीकरण, आवास, भोजन, परिवहन, चिकित्सा और खेल स्थल की व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियां जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

# प्रभारी मंत्री की रात्रि चौपाल में खुली विकास कार्यों की पोल, एक साल से पैमाइश के लिए भटक रहा ग्रामीण

**बाराबंकी।**
गांवों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए प्रदेश के राज्यमंत्री (कारागार) एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने मंगलवार की रात ग्राम पंचायत वाजिदपुर के मजरा बम्भौरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में रात्रि चौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ गांव की चौपाल में बैठकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और एक-एक शिकायत पर संबंधित विभाग के अधिकारियों से जवाब मांगा। राजस्व विभाग से जुड़े मामलों में लंबे समय से कार्रवाई न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचना चाहिए और जनसमस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**एक साल से खेत की पैमाइश का इंतजार, पट्टे की जमीन पर भी नहीं मिला कब्जा**

रात्रि चौपाल में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर कई शिकायतें सामने आईं। ग्रामीण हंसराज ने बताया कि खेत की पैमाइश के लिए धारा-24 के तहत एक वर्ष पूर्व प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अब तक लेखपाल और कानूनगो स्तर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जताते हुए कानूनगो को अगले दिन तक प्रकरण की अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। हंसराज ने वर्ष 2011 में आवंटित पट्टे पर कब्जा न मिलने की समस्या भी उठाई। वहीं किसान दुर्गा प्रसाद गौतम ने शिकायत की कि उनकी पट्टे की जमीन पर दूसरे व्यक्ति ने कब्जा कर रखा है। मंत्री ने संबंधित लेखपाल को मौके पर पैमाइश कराकर नियमानुसार पट्टाधारकों को कब्जा दिलाने के सख्त निर्देश दिए।

**63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर दो माह में लगाने का आश्वासन**

ग्रामीणों ने कम क्षमता के विद्युत ट्रांसफार्मर के कारण बिजली आपूर्ति में परेशानी होने की शिकायत की। इस पर विद्युत विभाग के एसडीओ ने बताया कि 63 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का प्रस्ताव तैयार हो चुका है और दो माह के भीतर इसे स्थापित करा दिया जाएगा। गांव में कुल 35 हैंडपंप क्रियाशील होने की जानकारी भी अधिकारियों ने दी। पाइपलाइन बिछने के बावजूद कनेक्शन न मिलने की शिकायत मनोज कुमार ने उठाई।

## हरिप्रबोधिनी एकादशी 20 नवंबर को, चातुर्मास होगा समाप्त, मांगलिक कार्यों की होगी शुरूआत

**घरों और मंदिरों में होंगे तुलसी-शालिग्राम विवाह के अनुष्ठान, भगवान विष्णु के योग निद्रा से जागने पर श्रद्धालु करेंगे पूजा-अर्चना**

**वाराणसी।**
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में हरिप्रबोधिनी एकादशी (देवउठनी एकादशी) को लेकर सनातनी श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। इस वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 नवंबर, शुक्रवार को मनाई जाएगी। इसी के साथ संतों का चातुर्मास समाप्त होगा और भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जागेंगे। देवउठनी एकादशी से ही मांगलिक कार्यों की शुरूआत भी हो जाएगी।

सनातन धर्म में देवोत्थान या देवउठनी एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। वहीं, घरों और मंदिरों में विशेष मंडप सजाकर माता तुलसी और भगवान शालिग्राम के विवाह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संबंधी अनुष्ठान संपन्न कराए जाते हैं। इसके अलावा नए गन्ने का नेवान (चूसने) की परंपरा भी निभाई जाती है।



ज्योतिषविद आचार्य रविंद्र तिवारी के अनुसार, एकादशी तिथि का प्रारंभ 19 नवंबर, गुरुवार की रात लगभग दो बजे होगा और इसका समापन 20 नवंबर, शुक्रवार की रात करीब दो बजे होगा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को दोपहर 2:25 बजे से भद्रा लग जाएगी। ऐसे में तुलसी-शालिग्राम विवाह का अनुष्ठान भद्रा प्रारंभ होने से पहले संपन्न करना उचित होगा।

आचार्य तिवारी ने बताया कि शुक्रवार की आधी रात के बाद भोर में 3:49 बजे भद्रा समाप्त होगी। इसके बाद विवाह आदि मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त उपलब्ध होंगे। देवउठनी एकादशी के साथ ही चार माह से स्थगित विवाह सहित अन्य मांगलिक आयोजनों का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। गौरतलब हो कि सनातन धर्म में मान्यता है कि भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को क्षीरसागर में योगनिद्रा में जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं।

इन चार महीनों की अवधि को चातुर्मास कहा जाता है, जिसमें संयम के नियम माने जाते हैं और मांगलिक कार्य प्रायः रुके रहते हैं। भगवान विष्णु के जागने के बाद विवाह, सगाई, गृह प्रवेश और मुंडन जैसे शुभ कार्यों का दौर फिर से शुरू होता है।

इस पर्व पर तुलसी विवाह की मंगल परंपरा भी जुड़ी हुई है। भगवान शालिग्राम और तुलसी माता का विवाह पूरे विधि-विधान से संपन्न होता है।

घरों में तुलसी के पौधे को सजाया जाता है और दीप जलाकर पूजा की जाती है।

# दो बाइकों की भिड़ंत के बाद ट्रेलर की चपेट में आए दो युवक, मौत

**जौनपुर।**
उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में चंदवक थाना क्षेत्र के खुज्झी गांव के पास मंगलवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर के बाद ट्रेलर की चपेट में आने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान थून्ही गांव निवासी चंदन मौर्य (22) पुत्र राजकुमार और सोनू मौर्य (24) पुत्र जयकिशन के रूप में हुई है।दोनों युवक मुंबई में रहकर नौकरी करते थे और छठ पूजा पर घर आए थे। मंगलवार रात किसी काम से चंदवक बाजार गए थे। वहां से बाइक से अपने गांव थून्ही लौट रहे थे।

खुज्झी गांव के पास दो बाइकों के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ट्रेलर की चपेट में आने से दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

क्षेत्राधिकारी केराकत गिरेंद्र कुमार ने बुधवार सुबह बताया कि ट्रेलर की चपेट में आने से हादसा हुआ है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

# 'हमारे तो नाम में ही कृष्ण, हम 21 नवंबर को मथुरा जाने वाले हैं', आचार्य शास्त्री ने अखिलेश पर कही ये बात

**प्रयागराज**

प्रतापगढ़ में आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अखिलेश अच्छे व्यक्ति हैं और वे उनके विरोधी नहीं है, वे उनकी कथा न सुन पाएंगे और न करवा पाएंगे। भगवान कृष्ण पर दिए बयान को लेकर आचार्य शास्त्री ने कहा कि हमारे तो नाम में ही कृष्ण है। हम 21 नवंबर को मथुरा जाने वाले हैं।

कुंडा के बेंती परेड ग्राउंड में मंगलवार से रामकथा की शुरूआत हो चुकी है। कथा समापन के बाद देर रात कथाव्यास बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मीडिया से बातचीत की। अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि वे उनकी कथा न सुन पाएंगे और न करवा पाएंगे।

आचार्य शास्त्री ने कहा कि अखिलेश अच्छे व्यक्ति हैं और वे उनके विरोधी नहीं है। उन्होंने अखिलेश को कथा सुनने के लिए भी कहा। कथा की फीस को लेकर आचार्य शास्त्री ने कहा कि वे कोई वस्तु नहीं बेच रहे और धर्म धंधा नहीं है। उन्होंने कहा कि कथा खरीदने के लिए भाव से बुलाया जाएगा तो वे नहीं जाएंगे, लेकिन श्रद्धा से बुलाने पर चले जाएंगे।

> अखिलेश अच्छे व्यक्ति हैं और वे उनके विरोधी नहीं है, वे उनकी कथा न सुन पाएंगे और न करवा पाएंगे। कथा खरीदने के लिए भाव से बुलाया जाएगा तो वे नहीं जाएंगे, लेकिन श्रद्धा से बुलाने पर चले जाएंगे।
>
> *आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री*



भगवान कृष्ण पर दिए बयान को लेकर आचार्य शास्त्री ने कहा कि उसे राजनीतिक रंग दिया गया और भ्रम फैलाया गया। उन्होंने कहा कि हमारे तो नाम में ही कृष्ण है। हम 21 नवंबर को मथुरा जाने वाले हैं।

जवाब- हम बहुत सफाई इसलिए नहीं देते क्योंकि हम अपना कार्य करने निकले हैं तो स्वाभाविक है कि तरह-तरह की बात होगी। वह अपना काम कर रहे हैं, हम अपना काम कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत अपने धर्म का प्रचार करने का हमें संपूर्ण हक है। उस अनुसार कथा नहीं रोकी जा सकती। अगर कथा रोकी जाएगी तो फिर नमाज भी रोकी जाएगी। चर्च की प्रार्थना भी रोकी जाएगी। ऐसा होगा तो व्यवस्था बिगड़ जाएगी। हिंदू जाग रहा है, सनातनी जाग रहा है, मुखरता के साथ हिंदुओ ने अब जवाब दिया है।

**सवाल- आप यूपी में सियासी कथाएं कर रहे हैं, नेताओं को फायदा पहुंचा रहे हैं**

जवाब- कथा सुनने वाले, करने वाले और करवाने वाले को फायदा मिलता है, इतना ही नहीं, कथा से साउंड वाले, टीवी वाले और न्यूज वालों तक को फायदा होता है। जहां तक चुनावी साल की बात है, तो ऐसा नहीं है, हमारी कथा तो पूरे पांच साल होती है। चुनावी साल है इसलिए चुनाव से जोड़ा जाएगा।

बाकी हम कथा चुनाव के लिए नहीं करते, हम कथा सनातन के लिए करते हैं। किसी को फायदा होता है तो वह उसका सिद्धांत और ध्याय है, हमारा सिद्धांत सीधा है, सनातनियों को एकजुट करना।

## सीएम योगी के गढ़ में अखिलेश यादव का रोड शो आज, अमर शहीद बाबू बंधू सिंह की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

**गोरखपुर**

देवकही में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अखिलेश यादव धर्मशाला बाजार स्थित तिवारी हाता जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 3:30 बजे देवकही से कार द्वारा रवाना होकर 3:45 बजे तिवारी हाता पहुंचेंगे। यहां पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी और पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी से मुलाकात करेंगे।



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज बुधवार को गोरखपुर आएंगे। वह एयरपोर्ट से समाजवादी रथ पर सवार होकर चौरीचौरा क्षेत्र के देवकही गांव जाएंगे। इस दौरान एयरपोर्ट से देवकही तक करीब 20 किलोमीटर का रोड शो करेंगे। रास्ते में जगह-जगह पार्टी कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। देवकही में जनसभा को संबोधित करने के साथ ही अमर शहीद बाबू बंधू सिंह की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

**दिवंगत विनय कुमार सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे**

राष्ट्रीय अध्यक्ष के निजी सचिव गंगाराम की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिलेश यादव सुबह 11:45 बजे निजी विमान से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे समाजवादी रथ से देवकही के लिए रवाना होंगे। करीब दो बजे गांव पहुंचकर अमर शहीद बाबू बंधू सिंह की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके साथ ही दिवंगत विनय कुमार सिंह उर्फ बिन्नू को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन अजय कुमार सिंह उर्फ टप्पू ने किया है।

**विभिन्न स्थानों पर सपा कार्यकताओं की ओर से स्वागत की तैयारी**

एयरपोर्ट से देवकही तक प्रस्तावित रोड शो सदर, गोरखपुर ग्रामीण और चौरीचौरा विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सपा कार्यकताओं की ओर से स्वागत की तैयारी की गई है। कार्यकर्ता फूल-मालाओं से अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करेंगे। पार्टी इस आयोजन के जरिये गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों के कार्यकताओं को एकजुट करने की तैयारी में है।

## सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर के पास लगेगी राणा सांगा की प्रतिमा, 18 टन वजनी और 12 फीट होगी ऊंची

**आगरा।**

राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन की टिप्पणी के बाद उठे विवाद का पटाक्षेप होने जा रहा है। एमजी रोड स्थित स्पीड कलर लैब तिराहा पर एक माह में राणा सांगा की प्रतिमा लगेगी। कांस्य प्रतिमा 18 टन वजनी होगी और इसकी ऊंचाई 12 फीट होगी। मंगलवार को मेयर हेमलता दिवाकर और विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह ने भूमि पूजन किया। प्रतिमा को लखनऊ में तैयार किया जा रहा है। मार्च 2025 में संसद में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान मेवाड़ के शासक राणा सांगा को लेकर राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने एक विवादित टिप्पणी की थी।



सपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा था कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को भारत राणा सांगा ही लेकर आए थे। राज्यसभा सदस्य का मकान एचआईजी फ्लैट में है। इससे 100 मीटर की दूरी पर स्पीड कलर लैब तिराहा है।

**संस्कृति विभाग द्वारा 21 लाख रुपये से किए गए स्वीकृत**

भाजपा विधायक डा. धर्मपाल सिंह ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देते हुए राणा सांगा की प्रतिमा लगाने की मांग की। भाजपा पार्षद शरद चौहान ने इसी साल निगम के सदन में प्रस्ताव रखा। संस्कृति विभाग द्वारा 21 लाख रुपये से लखनऊ 12 फीट ऊंची प्रतिमा तैयार की जा रही है। नगर निगम प्रशासन द्वारा 16 लाख रुपये से प्रतिमा के लिए 12 फीट ऊंचा चबूतरा तैयार किया जाएगा। ग्रेनाइट लगाने के साथ रेलिंग भी लगाई जाएगी।

**मेयर ने कहा कि स्पीड कलर लैब तिराहा का नाम राणा सांगा तिराहा किया गया**

मेयर ने कहा कि स्पीड कलर लैब तिराहा का नाम राणा सांगा तिराहा किया गया है। विधायक डा. धर्मपाल ने नीरू जादौन का स्वागत किया, जिन्होंने प्रतिमा के लिए नौ लाख रुपये प्रदेश सरकार को दिए हैं।

## कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान: सादा वर्दी में पुलिस की तैनाती, बिजनौर के विदुरकुटी गंगा घाट पर बनेंगे चेजिंग रूम

**बिजनौर।**

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले के लिए विदुरकुटी गंगा घाट पर तैयारी चल रही है। घाट पर महिलाओं के लिए चेजिंग रूम बनाए जाने के साथ-साथ सादी वर्दी में महिला पुलिस की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा मेला परिसर में महिलाओं के लिए 100 से अधिक शौचालय बनाए जा रहे है। इसके अलावा मेला परिसर में झूले लगाए जाने का काम चल रहा है।



विदुरकुटी मंदिर से मेला स्थल तक अस्थाई और वीआईपी रोड एवं मेले में सेक्टर रोड बनाई जा चुकी है। मेले में चौराहे पर गेट लगाए जाने का काम चल रहा है। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए जा रहे है।

बुधवार से घाट पर महिलाओं के लिए चेजिंग रूम बनेंगे। वहीं जिला पंचायत द्वारा मेला क्षेत्र में महिलाओं के लिए 50 शौचालय बनवाएं गए है, जबकि आसपास की निकाय भी चलित शौचालय और अस्थाई शौचालय की व्यवस्था कर रही है। मेला क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाए जाने का काम अंतिम चरण में है।

**मुख्य स्नान 24 नवंबर को**

विदुरकुटी गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले का शुभारंभ 20 नवंबर को देव उठनी एकादशी के मौके पर होगा, जबकि मेले का मुख्य स्नान 24 नवंबर को है।

## कर्नाटक में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में यूपी का प्रतिनिधित्व करेंगे पीयू के 10 स्वयंसेवक

**जौनपुर।**

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में स्थित बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 10 स्वयंसेवक कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने स्वयंसेवकों से संवाद कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह शिविर 21 से 27 नवंबर तक कर्नाटक के हासन स्थित एसडीएम आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित होगा। इसमें देश के 10 राज्यों के स्वयंसेवक प्रतिभाग करेंगे।

रवाना होने से पहले कुलपति ने स्वयंसेवकों से शिविर में उत्तर प्रदेश की संस्कृति और परंपराओं को प्रस्तुत करने की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। स्वयंसेवकों ने बताया कि वे लोकगीत, लोकनृत्य, सांस्कृतिक परंपराओं और विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करेंगे। साथ ही अन्य राज्यों से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद कर उनकी संस्कृति, कला और परंपराओं को जानने का अवसर भी मिलेगा।

कुलपति प्रो. सिंह ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरे उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ शिविर में प्रतिभाग करें तथा अपनी प्रतिभा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्वविद्यालय एवं प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने शिविर से प्राप्त अनुभवों को विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा करने का भी आह्वान किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुषमा मिश्रा (मड़ियाहूं पीजी कॉलेज) सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## एनआईटी कर्नाटक के दीक्षांत समारोह में अनन्या को मिला गोल्ड मेडल, बढ़ाया जिले का मान

***पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमटेक की उपाधि के साथ मिला इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल, दीक्षांत समारोह में हुई सम्मानित***

**मीरजापुर।**

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले के रैकरी गांव की बेटी अनन्या सिंह ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक (एनआईटीके), सूरतकल से एमटेक इनवायरमेंटल इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। संस्थान के 24वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में उन्हें इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल, उपाधि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अनन्या ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई सेंट मेरी स्कूल मीरजापुर से पूरी की। इसके बाद मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी संस्थान गोरखपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। आगे की पढ़ाई के लिए गेट परीक्षा उत्तीर्ण कर एनआईटी कर्नाटक में एमटेक में प्रवेश लिया। यहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया।

अनन्या के पिता अनिल कुमार सिंह 'ग्रीन गुरु' शांति निकेतन इंटर कॉलेज पचोखरा के प्रधानाचार्य हैं, जबकि मां विनीता सिंह मड़िहान स्थित कंपोजिट विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापिका हैं। परिवार शहर के पटेल नगर स्थित जेपी पुरम कॉलोनी में रहता है। उनकी इस उपलब्धि पर नाना-नानी, माता-पिता, अनुराग सिंह, सीमा सिंह, विकास रंजन सिंह और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

## मानव जीवन का उद्देश्य आत्मकल्याण होना चाहिए: धनंजय द्विवेदी

**मीरजापुर।**

उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के जिगना क्षेत्र के सिकरा कला गांव में मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का शुभारंभ हुआ। पहले दिन प्रयागराज से आए कथावाचक आचार्य धनंजय द्विवेदी महाराज ने कहा कि मानव शरीर देव दुर्लभ है। इस जीवन में अर्जित ज्ञान का उपयोग आत्मकल्याण और जीवन को सार्थक बनाने में करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को केवल संसार के लोगों से नहीं, बल्कि जगन्नाथ से सत्संग करना चाहिए।

## गंगा स्नान: सात दिन बदला रूट, बिजनौर-चांदपुर मार्ग पर नहीं होगी भारी वाहनों की आवाजाही

**बिजनौर।**

कार्तिक गंगा स्नान के चलते यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान तैयार कर दिया गया है। बुधवार को प्लान को लागू कर दिया गया है। प्लान के मुताबिक बुधवार यानि आज से 25 नवंबर तक बिजनौर-चांदपुर मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। बुधवार सुबह यातायात पुलिसकर्मी की ड्यूटी कर दी गई है।

**यहां से गुजरेंगे वाहन**

बिजनौर शहर से दारानगर गंज होते हुए चांदपुर जाने वाले सभी भारी वाहन कृष्णा कालेज तिराहा से अम्हेड़ा तिराहा होते हुए चांदपुर जाएंगे।

## स्टेट हेल्थ एजेंसी की टीम आयुष्मान के तहत हुए इलाज के अभिलेखों की करेगी पड़ताल

**मुरादाबाद।**

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मरीजों का इलाज करने वाले अस्पतालों के पुराने रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। स्टेट हेल्थ एजेंसी (सांचीज) की टीम वर्ष 2019 से 2023 तक के अभिलेखों की पड़ताल करेगी। इसमें मरीजों के भर्ती होने, उन्हें दिए गए उपचार, अस्पतालों की ओर से किए गए क्लेम और उनके भुगतान से जुड़े दस्तावेज देखे जाएंगे। जांच के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के अधिकारी भी टीम के साथ रहेंगे।




मुरादाबाद जनपद में 11 अस्पताल ऐसे हैं, जिनकी आयुष्मान योजना के तहत संबद्धता खत्म हो चुकी है। इन अस्पतालों में योजना के तहत पहले कराए गए इलाज और भुगतान का ब्योरा भी जांच के दायरे में रहेगा। टीम अस्पतालों के रिकॉर्ड का मिलान कर यह देखेगी कि मरीजों को योजना के तय नियमों के मुताबिक उपचार दिया गया था या नहीं। क्लेम के साथ लगाए गए दस्तावेजों की भी जांच होगी। इस जांच में गोपनीयता बरती जाएगी। किस अस्पताल में किस दिन जांच होगी, इसकी सूचना पहले से प्रबंधन को नहीं दी जाएगी। अस्पतालों का चयन और जांच का कार्यक्रम केवल सांचीज के अधिकारियों को पता होगा। टीम बिना पूर्व सूचना सीधे अस्पताल पहुंचकर रिकॉर्ड खंगालेगी। नोडल अधिकारी डॉ. राजीव कुमार शर्मा ने मंगलवार को बताया कि जांच में पुराने दस्तावेजों की उपलब्धता और उनकी प्रमाणिकता पर भी ध्यान दिया जाएगा। अभिलेखों में गड़बड़ी या योजना के नियमों के उल्लंघन की बात सामने आने पर संबंधित अस्पताल से जवाब मांगा जाएगा। संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई होगी।

## मुरादाबाद में 148 बैंक्वेट और मैरिज हॉल चिन्हित, 95 पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने पर वाद दायर

**मुरादाबाद।**

मुरादाबाद महानगर में बिना पार्किंग संचालित हो रहे बैंक्वेट और मैरिज हॉल पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) क्षेत्र में चिन्हित 148 बैंक्वेट और मैरिज हॉल में से 95 में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं है। उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम के तहत इनके खिलाफ वाद दायर किए गए हैं, जिनमें से 14 हॉल सील भी हो चुके हैं।




मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने अवैध कट तत्काल बंद कराने को कहा। उन्होंने अगली बैठक से पहले भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी। टोल प्लाजा से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने हिट एंड रन के लंबित मामलों में मृतकों और घायलों के आश्रितों को सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने दुर्घटनाओं में शामिल वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित करने के निर्देश दिए। डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाने को भी कहा गया। दुर्घटना स्थलों पर एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। नगर निगम को मानक के अनुरूप टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर बनवाने के निर्देश दिए गए। क्षतिग्रस्त विद्युत पोल हटाने को भी कहा गया।

## मुरादाबाद मंडल में त्योहारों पर 21.61 लाख यात्रियों ने ट्रेन से किया सफर, रेलवे ने कमाए 40.91 करोड़ रुपये

**मुरादाबाद।**

दीपावली, भाई दूज और छठ पर्व पर घर जाने और लौटने वाले यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए रेलवे की ओर से चलाई गईं विशेष ट्रेनों से बड़ी संख्या में यात्रियों को राहत मिली।

मुरादाबाद मंडल में नवंबर में 139 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया। इनके 798 फेरे लगाए गए। इनमें 16 विशेष ट्रेनें मुरादाबाद मंडल से ही शुरू की गईं।

मंडल रेल प्रबंधक विनिता श्रीवास्तव के निर्देशन में एक से 16 नवंबर तक यात्री परिवहन की व्यापक व्यवस्था की गई। इस दौरान मंडल में कुल 4595 यात्री ट्रेनों का सफल संचालन हुआ।

इनमें 21.61 लाख यात्रियों ने सफर किया। यूटीएस के माध्यम से 16.73 लाख और पीआरएस से 4.88 लाख यात्रियों ने टिकट बुक कराए। इस अवधि में स्टेशनों पर यात्रियों की कुल आवाजाही 42.35 लाख दर्ज की गई। यात्री परिवहन से रेलवे को 40.91 करोड़ रुपये की आय हुई।

रेलवे ने इस दौरान टिकट चेकिंग अभियान भी तेज रखा। एक से 16 नवंबर तक विभिन्न जांच अभियानों से 3.81 करोड़ रुपये की आय अर्जित की गई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 43.77 प्रतिशत अधिक है।

## मुठभेड़ में बिल्लू इंदौरिया गैंग का बदमाश वाहिद अंसारी ढेर, इलाज के दौरान मौत

**लखनऊ**

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवबाबा बैरियर पर मंगलवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से गाजीपुर निवासी बदमाश वाहिद घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वाहिद बिल्लू इंदौरिया गैंग का सदस्य था और सुपारी किलिंग के लिए कुख्यात था। उसका साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भाग गया। बदमाशों की फायरिंग में अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह और स्वाट टीम के मुख्य आरक्षी सोनू यादव घायल हो गए। वहीं, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह और सर्विलांस प्रभारी विनोद यादव की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी।



पुलिस के मुताबिक, 17 और 18 नवंबर की मध्यरात्रि शिवबाबा बैरियर पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान अहिरौली की तरफ से पल्सर बाइक पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो पीछे बैठे बदमाश ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

इसमें प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह के बाएं हाथ में गोली लग गई।

इसके बाद दोनों बदमाश बाइक से शिवबाबा मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने फायरिंग जारी रखी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वाहिद घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा बदमाश मौके से भाग निकला। पुलिस ने मौके से तीन .32 बोर की पिस्टल, एक नौ एमएम कार्बाइन, सात .315 बोर के तमंचे, छह खोखा कारतूस और 24 जीवित कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट की घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक भी मिली है। मामले में अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 651/26 के तहत बीएनएस की धारा 109(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

**छह जिलों में दर्ज थे 35 मुकदमे**

मृतक वाहिद पुत्र अबु बकर गाजीपुर जिले के बहरियाबाद थाना क्षेत्र का निवासी था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ आजमगढ़, गाजीपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर और चंदौली में कुल 35 मुकदमे दर्ज थे।

इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। वर्ष 2014 से 2023 तक उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हुए थे।

एसपी समेत 12 पुलिसकर्मी थे टीम में

शामिल मुठभेड़ के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के साथ 12 पुलिसकर्मी शामिल थे। इनमें पीआरओ निरीक्षक जितेंद्र सिंह, अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक आदर्श कुमार सिंह, रामप्रताप वर्मा और विनोद यादव समेत स्वाट और सर्विलांस सेल के पुलिसकर्मी शामिल रहे। बदमाशों की फायरिंग में प्रभारी निरीक्षक और मुख्य आरक्षी सोनू यादव को गोली लगी, जबकि एसपी और सर्विलांस प्रभारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।



# कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा: श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है।

अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थीज्जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं।

अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में भी अपनी पहचान बनाई है।



# 16 साल की उम्र में ही दीपिका पादुकोण ने तय कर लिया था अभिनेत्री बनना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत और अपने शुरुआती सपनों के बारे में बताया है। आज दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद और सफल अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने खुलासा किया कि महज 16 साल की उम्र में ही उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है, फिल्म ट्रिपल एक्स - द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से हॉलीवुड में कदम रखने के बाद, वे लोकप्रिय द एलेन डीजेनेरेस शो में भी बतौर मेहमान शामिल हुई थीं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब प्रोफेशनल तौर पर खेल को करियर के रूप में देखना आम बात नहीं थी। उस समय अधिकतर लोग डॉक्टर या वकील बनने का सपना देखते थे, लेकिन उनके पिता ने एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो दीपिका ने जवाब दिया कि वे ऐसा करके अपने पिता को खुश कर सकती थीं, लेकिन उनके पिता ने हमेशा यही सीख दी कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपने गहरे प्रेम को व्यक्त करते हुए दीपिका ने दोहराया कि 16 साल की कम उम्र में ही उन्हें यह निश्चित रूप से पता चल गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें असीम खुशी और संतोष देता है। दीपिका ने एलेन को एक प्रेरक घटना भी बताई। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करवाने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय, युवा दीपिका ने अपनी मां को पूरा भरोसा दिलाया था कि वे न केवल उनके पैसे लौटा देंगी, बल्कि एक दिन उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। यह घटना उनके दृढ़ निश्चय और अपनी कला के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका ने भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

# साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

● छोटे बाल करवाने पर माता-पिता ने दी प्रतिक्रिया

5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम- चैप्टर 1 उधिरम- द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

# दानानीर मोबीन की तो निकल पड़ी

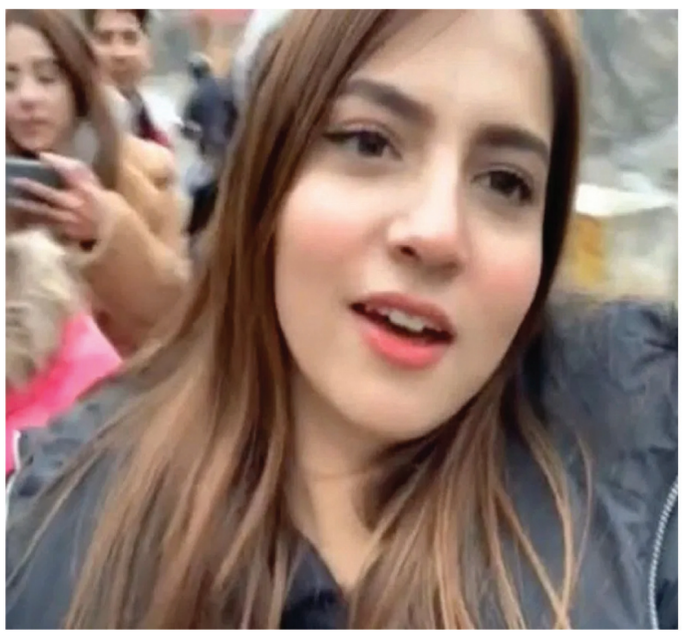

इंटरनेट पर पार्टी हो रही है वाले वायरल वीडियो से रातोंरात सुर्खियां बटोर कर फिल्मी दुनियां में धमाल करने वाली दानानीर मोबीन ने अब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि भी हासिल कर ली है। दरअसल पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार-अभिनेत्री ने मॉस्को में आयोजित दूसरे ओपन यूरेशियन फिल्म अवाड्र्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का डायमंड बटरफ्लाई अवॉर्ड जीतकर सभी को हैरान कर दिया है। इस बड़ी कामयाबी के लिए न सिर्फ उनके घर-परिवार व करीबी बल्कि पाकिस्तानी और हिंदुस्तानी प्रशंसक भी खासे खुश नजर आए हैं। दानानीर को यह सम्मान उनकी फिल्म मेरा लियारी में शानदार अभिनय के लिए मिला है। इस फिल्म में उन्होंने कराची के एक पिछड़े और बदनाम इलाके की उस मजबूत इरादों वाली लड़की का किरदार निभाया है, जो फुटबॉल खिलाड़ी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए सामाजिक बाधाओं और दबावों से डटकर मुकाबला करती है।



# दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब: रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं।

शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

# रणबीर, साई पल्लवी और यश का चला जादू

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत रामायण पार्ट-1 बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। 5 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे रविवार को करीब 75 करोड़ रुपए की कमाई की, जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए दूसरे रविवार की सबसे बड़ी कमाई में शामिल हो गई है। फिल्म की कुल घरेलू नेट कमाई 760 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की खबर है। फिल्म को शुरुआती दौर में दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। समीक्षकों के एक वर्ग ने इसके भव्य दृश्यांकन, तकनीकी गुणवत्ता और बड़े पैमाने पर तैयार किए गए संसार की सराहना की, जबकि कहानी और चरित्रों की गहराई को लेकर सवाल उठे। पर देखते ही देखते फिल्मी कलाकारों के किरदार और कला का जादू चल ही गया। बड़ी स्टारकास्ट, भारतीय पौराणिक कथा और अत्याधुनिक तकनीक का मेल फिल्म की व्यावसायिक ताकत बना हुआ है।



# स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



# एसपी के पीआरओ हरि गोविन्द वर्मा इटावा स्थानांतरित, 21 अन्य निरीक्षकों के भी तबादले

- अवधेश मिश्रा से कथित नजदीकी और पुलिस कार्यालय की सूचनाएं लीक करने के आरोपों को लेकर चर्चाओं में रहे हरि गोविन्द वर्मा पर डीआईजी की गिरी गाज, एसपी ने किया कार्यमुक्त

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

पुलिस महकमे में प्रशासनिक फेरबदल के बीच एक ऐसा तबादला चर्चा का विषय बन गया है, जिसने पुलिस कार्यालय के भीतर चल रही कथित गतिविधियों और गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) हरि गोविन्द वर्मा को इटावा स्थानांतरित कर दिया गया है। डीआईजी के स्तर से हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक ने उन्हें कार्यमुक्त भी कर दिया है। उनके साथ 21 अन्य निरीक्षकों के भी स्थानांतरण किए गए हैं।

हरि गोविन्द वर्मा को लेकर पुलिस महकमे में लंबे समय से चर्चाएं चल रही थीं। आरोप है कि उनकी कुख्यात अपराधी अवधेश मिश्रा से नजदीकियां थीं। अवधेश मिश्रा को कथित तौर पर गैर-प्रैक्टिसिंग अधिवक्ता बताया जाता रहा है। यह भी आरोप लगाए जाते रहे कि हरि गोविन्द वर्मा पुलिस कार्यालय की गतिविधियों और महत्वपूर्ण सूचनाओं की जानकारी बाहर पहुंचाते थे।

सबसे गंभीर आरोप अवधेश मिश्रा की गिरफ्तारी से जुड़ा है। चर्चा है कि गिरफ्तारी की कार्रवाई से पहले ही इसकी सूचना लीक हो गई थी, जिससे पुलिस की रणनीति प्रभावित होने की आशंका जताई गई। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और किसी विभागीय जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक होना अभी बाकी है।

हरि गोविन्द वर्मा का इटावा स्थानांतरण और उसके बाद एसपी द्वारा कार्यमुक्त किया जाना पुलिस विभाग में महत्वपूर्ण प्रशासनिक घटनाक्रम माना जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस कार्यालय में गोपनीय सूचनाओं के आदान-प्रदान और अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

**21 अन्य निरीक्षकों के भी तबादले**

इस फेरबदल में 21 अन्य निरीक्षकों को भी नई तैनाती दी गई है। पुलिस विभाग में एक साथ हुए इन स्थानांतरणों को प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

अब बड़ा सवाल यह है कि पुलिस कार्यालय से कथित तौर पर सूचनाएं बाहर पहुंचने के आरोपों की जांच होगी या नहीं? यदि गिरफ्तारी से संबंधित गोपनीय जानकारी वास्तव में लीक हुई थी, तो इसके पीछे कौन लोग थे और पुलिस की आंतरिक व्यवस्था में सेंध कैसे लगी? इन सवालों के जवाब विभागीय जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे।

# आबकारी विभाग का ताबड़तोड़ निरीक्षण, 18 से अधिक शराब दुकानों की जांच

- स्टॉक से लेकर सीसीटीवी तक परखी व्यवस्था
- जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के पर्यवेक्षण में चला अभियान
- अनियमितता मिलने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

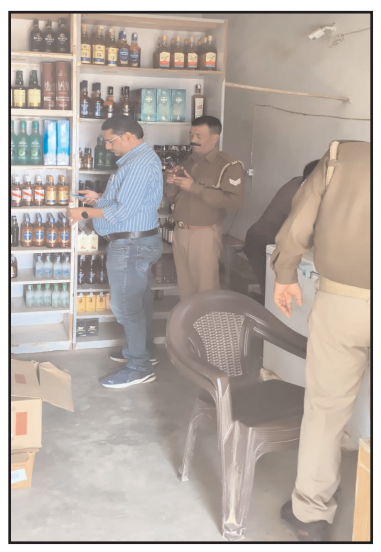

जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर आबकारी विभाग की टीम ने मंगलवार, 17 नवंबर को क्षेत्र-2 में संचालित देशी और कंपोजिट शराब दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के पर्यवेक्षण में आबकारी निरीक्षक सुधांशु चौधरी ने अपनी टीम के साथ विभिन्न अनुज्ञापन स्थलों की जांच की।

निरीक्षण के दौरान खुम्मरपुर, बघौना, नवाबगंज, महमदपुर धनी, मई रशीदपुर, अचरा, उम्मरपुर, ज्योना, नौगांव, चंदनी, उखरा और राजारामपुर मई सहित विभिन्न क्षेत्रों की देशी शराब दुकानों की जांच की गई। इसके अलावा बघौना, नवाबगंज, महमदपुर धनी, अचरा, उम्मरपुर तथा करनपुर मजरा बांसमई स्थित कंपोजिट दुकानों का भी निरीक्षण किया गया।

आबकारी टीम ने दुकानों पर उपलब्ध मदिरा का मिलान स्टॉक रजिस्टर से किया। ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था, पीओएस मशीन के माध्यम से बिक्री और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता को भी परखा गया। देशी शराब दुकानों से जुड़ी कैंटीनों की भी सघन जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अनुज्ञापियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि दुकान से संबंधित सभी अभिलेख अद्यतन रखें और शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

आबकारी विभाग ने क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने और अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के पर्यवेक्षण में विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिए प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

# एसबीआई ने शहीद/दिवंगत जवान के परिवार को दी 10 लाख की बीमा सहायता, पत्नी स्वीटी वर्मा को सौंपा चेक

- डिफेंस सैलरी पैकेज के तहत भारतीय स्टेट बैंक की पहल, क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल सिद्धार्थ ने प्रदान की सहायता राशि

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



देश की रक्षा सेवाओं में कार्यरत जवानों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भारतीय स्टेट बैंक ने संवेदनशील पहल की है। मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को भारतीय स्टेट बैंक की कम्पिल शाखा (17587) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय कुलदीप वर्मा की पत्नी श्रीमती स्वीटी वर्मा को 10 लाख की बीमा सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय हरदोई (क्षेत्र के-5) के क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल सिद्धार्थ ने डिफेंस सैलरी पैकेज के अंतर्गत मिलने वाले बीमा लाभ की धनराशि का चेक श्रीमती स्वीटी वर्मा को सौंपा।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक सहित बैंक के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। चेक प्रदान करते हुए बैंक अधिकारियों ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक डिफेंस सैलरी पैकेज के माध्यम से रक्षा सेवाओं में कार्यरत जवानों और उनके आश्रित परिवारों को विभिन्न वित्तीय एवं बीमा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

बैंक का उद्देश्य देश की सुरक्षा में समर्पित जवानों और उनके परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक सहायता एवं सुरक्षा प्रदान करना है। ?10 लाख की यह बीमा सहायता दिवंगत कुलदीप वर्मा के परिवार के लिए आर्थिक संबल साबित होगी।

भारतीय स्टेट बैंक की इस पहल को रक्षा सेवाओं से जुड़े परिवारों के प्रति संस्थागत सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है।

# बेटी को स्कूल छोड़कर लौट रहे पिता की सड़क हादसे में मौत, तेज रफ्तार बाइक ने स्कूटी में मारी टक्कर

- जमापुर मोड़ के पास इटावा-बरेली हाईवे पर हुआ हादसा

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



बेटी को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे एक पिता की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

जानकारी के अनुसार, फर्रुखाबाद निवासी पंकज सोमवंशी (33) बुधवार सुबह अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने गए थे। बेटी को स्कूल छोड़ने के बाद वह स्कूटी से घर वापस लौट रहे थे। सुबह करीब आठ बजे राजेपुर थाना क्षेत्र के इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर जमापुर मोड़ के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पंकज सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायल पंकज को संभाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। दुर्घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने पंकज की हालत गंभीर देखते हुए उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

जिस पिता ने सुबह अपनी बेटी को सुरक्षित स्कूल पहुंचाकर उसके भविष्य की चिंता में घर लौटने का सफर शुरू किया था, वह रास्ते में ही हादसे का शिकार होकर जिंदगी की जंग हार गया। घटना के बाद परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और मासूम बेटी के सिर से पिता का साया उठ गया।

हाईवे पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है, इसके बावजूद वाहन चालकों की लापरवाही और तेज गति पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

# घर से आभूषण और सामान चोरी, केस दर्ज

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम सकवाई में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए आभूषण और अन्य घरेलू सामान चोरी कर लिया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम सकवाई निवासी श्रीमती रिंकी सिंह पत्नी शिवकुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि अज्ञात चोर उनके घर में घुस आए और वहां रखे आभूषण समेत अन्य घरेलू सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर परिवार में हड़कंप मच गया।

पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना मोहम्मदाबाद पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 394/26, धारा 305 बीएनएस के तहत अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है और चोरी की घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

## बिजली के खंभे और इंसुलेटर तोड़ने का आरोप

**फर्रुखाबाद।** थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम घूमईया रसूलपुर में बिजली के खंभे और इंसुलेटर तोड़ने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि गांव के ही कुछ लोगों ने रामदास के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

# चलती ट्रेन में यात्री के सिर पर लगा पत्थर, गंभीर हालत में सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर

- बड़ोदरा से गोरखपुर जा रही ट्रेन में हुआ हादसा

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



चलती ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री के सिर पर अचानक पत्थर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ट्रेन में यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घायल यात्री को उपचार के लिए फर्रुखाबाद के लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, लखीमपुर खीरी निवासी हरिशंकर बड़ोदरा से गोरखपुर जा रही ट्रेन में सफर कर रहे थे। मंगलवार शाम यात्रा के दौरान अचानक उनके सिर पर पत्थर आकर लगा। पत्थर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने उनकी हालत देखकर मदद की और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

हरिशंकर को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनके सिर में लगी चोट का उपचार किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही। रात करीब 10 बजे चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

चलती ट्रेन में यात्री के सिर पर पत्थर लगने की घटना से रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ट्रेन में सफर के दौरान इस तरह की घटनाएं यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। पत्थर किस दिशा से आया और किन परिस्थितियों में यात्री के सिर पर लगा, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घायल यात्री को गंभीर हालत में सैफई रेफर किए जाने के बाद परिजन उसकी सलामत को लेकर चिंतित हैं। घटना ने रेल यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने की आवश्यकता को फिर से सामने ला दिया है।

# विधायक सुशील कुमार शाक्य ने खुद की स्वगणना

- जनपदवासियों से अभियान में भाग लेने की अपील

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



भारत की जनगणना-2027 के तहत संचालित स्वगणना अभियान में अमृतपुर विधायक सुशील कुमार शाक्य ने बुधवार को स्वयं अपनी स्वगणना प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान उन्होंने जनपद के लोगों से भी अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज कराने की अपील की।

जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर उप जिलाधिकारी अमृतपुर श्वेता साहू ने विधायक को स्वगणना की प्रक्रिया पूरी कराने में सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान ऑनलाइन माध्यम से विवरण दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई।

विधायक सुशील कुमार शाक्य ने कहा कि जनगणना केवल आबादी की गणना नहीं है, बल्कि देश के सामाजिक और आर्थिक विकास की योजनाएं तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना से मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर नियोजन किया जाता है।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे स्वयं स्वगणना करें और अपने परिवार, पड़ोसियों तथा परिचितों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सही जानकारी राष्ट्र के विकास और बेहतर भविष्य की आधारशिला है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला प्रशासन की ओर से जनगणना-2027 के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने नागरिकों से राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

# लाइन हाजिर दरोगा की एक दिन में वापसी दूसरी चौकी की मिली कमान

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

मेरापुर थाना क्षेत्र की राजेंद्र नगर चौकी के प्रभारी रहे दरोगा अरुण तेवतिया को अनियमितताओं के चलते पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने लाइन हाजिर किया था। लेकिन इस कार्रवाई के महज एक दिन बाद ही घटनाक्रम बदल गया। दरोगा को दोबारा नई पखना चौकी की जिम्मेदारी सौंप दी गई । इस घटनाक्रम के बाद पुलिस महकमे में कार्रवाई और उसके बाद हुए बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दरअसल, लाइन हाजिर किए जाने के बाद भी दरोगा की थाने से रवानगी को लेकर सवाल उठ रहे थे। इसी बीच थाना क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा भाजपा के एक जनप्रतिनिधि का नाम लेकर दावा किया जा रहा था कि दरोगा जल्द ही दोबारा चौकी पर तैनात होंगे। उस समय इन चर्चाओं को महज अटकलें माना जा रहा था, लेकिन एक दिन बाद ही दूसरी चौकी की कमान मिलने से इन चर्चाओं को फिर हवा मिल गई।

दरोगा अरुण तेवतिया को नई चौकी की जिम्मेदारी मिलने के बाद क्षेत्र में उनके प्रभाव और पुलिस महकमे में उनकी स्थिति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर जिस दरोगा को अनियमितताओं के चलते लाइन हाजिर किया गया था, उन्हें इतनी जल्दी दोबारा चौकी प्रभारी की जिम्मेदारी कैसे मिल गई।

अब देखना यह है कि इस पूरे घटनाक्रम पर पुलिस अधीक्षक आरती सिंह क्या रुख अपनाती हैं और लाइन हाजिर करने के बाद महज एक दिन में बदले गए आदेश के पीछे क्या वजह रही।

# दिनेश कटियार बने फिल्म सेंसर बोर्ड के सलाहकार

- सांसद मुकेश राजपूत का जताया आभार

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जनपद के दिनेश कटियार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फिल्म सेंसर बोर्ड का सलाहकार नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और सांसद मुकेश राजपूत के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दिनेश कटियार ने कहा कि सांसद मुकेश राजपूत के प्रयासों से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्राप्त हुई है। उन्होंने इस नियुक्ति के लिए सांसद सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का हृदय से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान और गौरव का विषय है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। साथ ही अपने दायित्वों का पालन करते हुए संगठन और देश के हित में बेहतर कार्य करने का प्रयास करेंगे।

दिनेश कटियार की नियुक्ति की खबर से उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

# गालीगलौज का विरोध करने पर युवक को लाठी-डंडों से पीटा, जेब से 20 हजार रुपये गिरने का आरोप

यूथ इंडिया, नवाबगंज

नगर के मोहल्ला सिरमौरा बांगर निवासी अखिलेश कुमार के साथ गालीगलौज का विरोध करने पर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने अखिलेश कुमार को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान उनकी जेब में रखे 20 हजार रुपये भी कहीं गिर गए।

अखिलेश कुमार के अनुसार, मंगलवार शाम करीब सात बजे वह गांव में मंदिर के पास स्थित परचून की दुकान से सामान खरीद रहे थे। तभी वहां मौजूद गांव का ही एक युवक बेवजह उनके साथ गालीगलौज करने लगा। अखिलेश कुमार ने जब इसका विरोध किया तो युवक ने लाठी-डंडों से उनकी मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान उनकी जेब में रखे 20 हजार रुपये गिर गए, जिन्हें काफी तलाश करने के बाद भी पता नहीं चल सका।

घटना के बाद अखिलेश कुमार ने थाने पहुंचकर नामजद युवक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। थाना पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# कमालगंज में आबकारी विभाग का सघन अभियान, दुकानों की हुई औचक जांच

यूथ इंडिया, कमालगंज



आबकारी विभाग की टीम ने कमालगंज थाना क्षेत्र में सघन अभियान चलाकर शराब की दुकानों की औचक जांच की। टीम ने कमालगंज कस्बा और ब्लॉक क्षेत्र की कई दुकानों पर पहुंचकर स्टॉक, रिकॉर्ड और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान कमालगंज की नई बस्ती स्थित देशी शराब की दुकान की भी जांच की गई। इसके साथ ही हरदेव नगर कमालगंज और कमालगंज की कंपोजिट दुकानों के साथ रानूखेड़ा, हरदेव नगर और नई बस्ती कमालगंज की देशी शराब दुकानों की जांच की गई।

टीम ने दुकानों के स्टॉक रजिस्टर, ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की जांच की। दुकानों में रखी शराब का रिकॉर्ड से मिलान भी किया गया।

आबकारी विभाग ने दुकानदारों को रिकॉर्ड अपडेट रखने और नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। विभाग ने कहा कि अवैध शराब बनाने, बेचने और ले जाने के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

इसी अभियान के तहत टीम ने कमालगंज के नगरिया देवधरापुर गांव में दबिश देकर 12 लीटर कच्ची शराब पकड़ी। टीम ने मौके पर मिला करीब 100 किलो लहन नष्ट किया। मामले में आबकारी अधिनियम के तहत एक मुकदमा दर्ज किया गया है।

यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश और जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर हुई। जिला आबकारी अधिकारी जेपी गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 रीता वर्मा ने 16 अक्टूबर को टीम के साथ गांव में दबिश दी।

## शादी में चढ़ावे के लिए दिए जेवर वापस मांगने पर विवाद

**फर्रुखाबाद।** अमृतपुर थाना क्षेत्र के गंनुयापुर गांव में शादी में चढ़ावे के लिए दिए गए जेवर वापस मांगने को लेकर भाई-बहन के बीच विवाद हो गया। महिला ने अपने भाई पर जेवर वापस करने से इनकार करने और लाठी-डंडे लेकर दौड़ाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने अमृतपुर थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, महिला ने अपने भाई को शादी में चढ़ावे के लिए कुछ जेवर दिए थे। महिला का आरोप है कि अब जब उसने अपने जेवर वापस मांगे तो भाई ने उन्हें लौटाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। महिला ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर भाई लाठी-डंडे लेकर उसे दौड़ाने लगा। घटना के बाद महिला ने अमृतपुर थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई। महिला ने अपने जेवर वापस दिलाने के साथ ही मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

# शेखपुर गुमटी से गांव जाने वाली सड़क पर गहरे गड्ढे, ग्रामीणों ने उठाई मरम्मत की मांग

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



शेखपुर गुमटी से गांव के अंदर जाने वाली सड़क की हालत खराब होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे राहगीरों को काफी दिक्कत होती है। खासकर रात के समय और बारिश के दौरान इस रास्ते से गुजरना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर लंबे समय से गड्ढे बने हुए हैं, लेकिन उनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। सड़क की खराब स्थिति के कारण सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ती है। रोजाना इसी रास्ते से होकर लोगों को गांव के अंदर और बाहर आना-जाना पड़ता है।

बारिश के समय सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। वहीं रात में पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण राहगीरों को संभलकर निकलना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी यह रास्ता परेशानी का कारण बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति से रोजमर्रा के आवागमन पर असर पड़ रहा है। कई बार संबंधित समस्या की ओर ध्यान दिलाने के बावजूद सड़क की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क का निरीक्षण कराकर जल्द से जल्द गड्ढों को भरवाया जाए और मार्ग की मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

## नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**फर्रुखाबाद।** एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मथुरा जनपद निवासी एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी विष्णु जिसावत पुत्र मुन्नू सिंह निवासी ग्राम अनौर, थाना गोवर्धन, जनपद मथुरा पर वादिनी की पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। इस संबंध में पीड़िता की मां ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है और प्रकरण की जांच की जा रही है।